RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 110 ● भिलाई, शनिवार 01 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

क्लब के स्विमिंग पूल में डूबने से साढ़े 3 साल के बच्चे की मौत

वसई। महाराष्ट्र में वसई पश्चिम के यशवंतनगर इलाके में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। अमेय क्लब के स्विमिंग पूल में डूबने से साढ़े तीन साल के ध्रुव बिष्ट नामक मासूम बच्चे की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ध्रुव अपनी मां के साथ स्विमिंग पूल में आया था। तैरते समय अचानक पानी उसके नाक और मुंह में चला गया, जिससे वह घबराकर डूबने लगा। पूल पर मौजूद गार्ड ने उसे तुरंत बाहर निकाला, लेकिन तब तक बच्चे की हालत बिगड़ चुकी थी। उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में मातम पसर गया है और क्लब प्रबंधन व पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि पूल क्षेत्र में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और लाइफगार्ड मौजूद थे या नहीं। बच्चे की असामयिक मृत्यु से स्थानीय नागरिकों में रोष और दुख व्याप्त है। इस घटना ने एक बार फिर स्विमिंग पूल जैसी जगहों पर उचित सुरक्षा उपाय और छोटे बच्चों पर लगातार नजर रखने के महत्व को उजागर किया है।

पंजाब के पूर्व डीजीपी भुल्लर पर सीबीआई का शिकंजा

चंडीगढ। रिश्वतखोरी के मामले में फंसे पंजाब के पूर्व डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने भुल्लर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का एक नया मामला दर्ज कर लिया है। सीबीआई ने भुल्लर को इसी महीने 16 अक्टूबर को एक रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद से वह चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल में बंद हैं। इस मामले में एक और बड़ा घटनाक्रम हुआ है। सीबीआई ने मामले में बिचौलिए की भूमिका निभाने वाले कृष्णु को पहली बार 9 दिन के रिमांड पर लिया है। यह रिमांड भुल्लर की 14 दिन की न्यायिक हिरासत खत्म होने से ठीक दो दिन पहले मिला है। अब 31 अक्टूबर को भुल्लर की अदालत में पेशी होनी है, जहां इस नए मामले से उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

जालंधर के 800 परिवारों को उजड़ने नहीं देंगे

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और विधायक पद्मश्री परगट सिंह ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस पार्टी जालंधर के अंबेडकर नगर के 700-800 घरों को किसी भी कीमत पर उजड़ने नहीं देगी। इन सभी परिवारों को कांग्रेस की तरफ से कानूनी सहायता सहित हर संभव मदद मुहैया करवाई जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से अपील की है कि वह खुद निजी तौर पर हस्ताक्षेप करके इस मामले को हल करवाएं। ताकि लोगों को न्याय मिल सके। उन्हें मौका मिलता है तो वह खुद भी मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करेंगे। परगट सिंह ने कहा कि निवर्तमान कांग्रेस सरकार ने पॉलिसी बनाई थी । कि 12 साल से अधिक समय तक कोई व्यक्ति अगर किसी जमीन पर काबिज है तो उसे कुछ पैसे लेकर मालिकाना हक दिया जाना चाहिए। इस पॉलिसी को कांग्रेस सरकार ने लागू करने की तैयारी कर ली थी।

पटेल पूरे कश्मीर को भारत में मिलाना चाहते थे लेकिन नेहरू ने इसकी अनुमति नहीं दी

जो अंग्रेज न कर पाए, कांग्रेस ने कर दिखाया-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर को भी भारत में मिलाना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा नहीं होने दिया। गुजरात के एकता नगर में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि घुसपैठ की घटनाएं भारत के जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रही थीं जिसके खिलाफ निर्णायक लड़ाई का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा, ''सरदार पटेल का मानना ??था कि इतिहास लिखने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए बल्कि इतिहास बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि आजादी के बाद सरदार पटेल ने 550 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय कराने का असंभव सा लगने वाला कार्य पूरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जो नीतियां बनाईं, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रच दिया। मोदी ने कहा, ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था।'' कांग्रेस पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि कश्मीर और देश को इस मुद्दे से निपटने में पार्टी की गलतियों की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा, ''सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर का एकीकरण करना चाहते थे। लेकिन नेहरू जी ने उनकी इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर का विभाजन हुआ, उसे अलग संविधान और अलग झंडा दिया गया और कांग्रेस की इस गलती का खामियाजा देश को दशकों तक भुगतना पड़ा।'' मोदी ने कहा कि सरदार पटेल के लिए देश की संप्रभुता सर्वोपरि थी लेकिन उनकी मृत्यु के बाद, सरकारों ने देश की संप्रभुता के संबंध में उतनी गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, ''कश्मीर में हुई गलतियां, पूर्वोत्तर में उत्पन्न समस्याएं और पूरे देश में फैला नक्सलवाद-माओवाद, ये सभी राष्ट्र की संप्रभुता के लिए गंभीर चुनौतियां थीं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल की नीतियों पर चलने के बजाय उस दौर की सरकारों ने रीढ़विहीन रवैया अपनाया। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस की कमजोर नीतियों के कारण कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के अवैध कब्जे में चला गया, जिसने फिर राज्य प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा दिया। कश्मीर और देश ने भारी कीमत चुकाई, फिर भी कांग्रेस हमेशा आतंकवाद के आगे झुकी। वह सरदार पटेल के दृष्टिकोण को भूल गई, लेकिन हम नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 की ''बेड़ियां'' तोड़कर कश्मीर पूरी तरह से मुख्यधारा में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा, ''आज पाकिस्तान और आतंकवादी भी जानते हैं कि भारत की असली ताकत क्या है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत पर बुरी नजर डालेगा तो हम उसके घर में घुसकर उसे खत्म कर देंगे। यह सरदार पटेल का भारत है।

नया छत्तीसगढ़' का संकल्प! पीएम मोदी देंगे 14,260 करोड़ रूपए की विकास परियोजनाओं की सौगात.....

प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 नवंबर (शनिवार) को छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे, जहाँ वे कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे और राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाएंगे। राज्य में रहते हुए, 'दिल की बात' कार्यक्रम के तहत, वे नवा रायपुर अटल नगर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में 'जीवनदान' समारोह में जन्मजात हृदय रोगों का सफलतापूर्वक इलाज करा चुके 2500 बच्चों से बातचीत करेंगे। इसके बाद, लगभग 10:45 बजे, प्रधानमंत्री ब्रह्माकुमारीज़ के शांति शिखर का उद्घाटन करेंगे, जो आध्यात्मिक शिक्षा, शांति और ध्यान का एक आधुनिक केंद्र है। बयान के अनुसार, लगभग 11:45 बजे, प्रधानमंत्री नवा रायपुर अटल नगर स्थित छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके बाद वे छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का दौरा करेंगे और उसका उद्घाटन करेंगे, जिसे ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा पर बनाया गया है, जिसे पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित करने और वर्षा जल संचयन प्रणाली से सुसज्जित करने की योजना है। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। दोपहर लगभग 1:30 बजे, प्रधानमंत्री शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन और अवलोकन करेंगे। यह संग्रहालय राज्य के जनजातीय समुदायों के साहस, बलिदान और देशभक्ति की विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करेगा। प्रधानमंत्री स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में संग्रहालय पोर्टल और ई-बुक आदि शौर्य का शुभारंभ करेंगे और स्मारक स्थल पर शहीद वीर नारायण सिंह की घुड़सवार प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

सरदार पटेल की दूरदर्शिता आज भी प्रासंगिक

डोभाल बोले, सशक्त शासन से ही 'नया भारत' बनेगा विश्वगुरु

नई दिल्ली। एजेंसी

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शुक्रवार को राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में शासन की भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह राष्ट्र को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आज के भारत में, विशेष रूप से महत्वपूर्ण परिवर्तन के इस दौर में, सरदार पटेल के दृष्टिकोण की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। डोभाल ने ज़ोर देकर कहा कि किसी राष्ट्र की सुरक्षा और उसके उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रभावी शासन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि राष्ट्र के भविष्य को आकार देने और उसकी स्थिरता सुनिश्चित करने में शासन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। डोभाल ने शासन पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले सरदार पटेल स्मारक व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा कि मैं एक सुरक्षाकर्मी शासन प्रक्रिया को किस प्रकार देखता है, इस पर एक दृष्टिकोण साझा करना चाहूँगा। मेरा मानना ??है कि शासन राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में, साथ ही राष्ट्र की सुरक्षा और उसके लक्ष्यों व आकांक्षाओं को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह वास्तव में बहुत उपयुक्त है कि 2025 में, हम सरदार पटेल का पुनर्आविष्कार करें। भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के दृष्टिकोण को बनाए रखने की इच्छा व्यक्त करते हुए डोभाल ने तर्क दिया कि भारत एक निश्चित प्रकार के शासन और वैश्विक व्यवस्था में अपने स्थान से एक कक्षीय बदलाव का गवाह बन रहा है। उन्होंने भारत को एकजुट करने और एक मज़बूत राष्ट्र के निर्माण में सरदार पटेल के दृष्टिकोण के महत्व पर ज़ोर दिया।

हिमाचल में गिराई जाएगी संजौली मस्जिद, कोर्ट ने सुनाया फैसला

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में स्थित संजौली मस्जिद पूरी तरह से हटाई जाएगी। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट यजुवेंद्र सिंह ने वक्फ बोर्ड और संजौली मस्जिद कमेटी की याचिका पर आज (गुरुवार को) फैसला सुनाया। मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी द्वारा जिला अदालत में चुनौती के बाद मस्जिद को तोड़ने का काम रोक दिया गया था। गुरुवार को जिला अदालत ने भी संजौली मस्जिद का पूरा ढांचा गिराने के आदेशों को बरकरार रखा है।

आवारा कुत्तों पर सरकारों से फिर मांगा जवाब

वो सो रहे हैं, आने दीजिये हम निपट लेंगे-सुप्रीम.....

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के इस अनुरोध को खारिज कर दिया कि आवारा कुत्तों के मामले में पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को 3 नवंबर को अदालत में वर्चुअल रूप से पेश होने की अनुमति दी जाए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य सचिवों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। न्यायमूर्ति नाथ ने टिप्पणी की कि जब अदालत अनुपालन हलफनामे मांगती है, तो आदेशों की अनदेखी की जाती है, इसलिए अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। मेहता ने पीठ से आभासी उपस्थिति की अनुमति देने का आग्रह किया, लेकिन अदालत ने इस अनुरोध पर विचार करने से इनकार कर दिया।

राहुल गांधी का प्रचार, एनडीए की जीत की गारंटी

योगी का तंज, बोले- बिहार में सुशासन की नींव मजबूत

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि अगर वह बिहार चुनाव प्रचार में शामिल हो जाएं, तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत सुनिश्चित हो जाएगी। उन्होंने शुक्रवार को भोजपुर और सीवान में चुनाव प्रचार को संबोधित किया। शुक्रवार को एक चुनाव प्रचार को संबोधित करते हुए, सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज बिहार में एनडीए की सरकार है और बिहार प्रगति कर रहा है और सुशासन की नींव पर हम भविष्य के लिए बेहतर काम कर सकते हैं। अगर राहुल गांधी प्रचार में शामिल होते हैं, तो आप यह मान सकते हैं कि एनडीए की जीत सुनिश्चित है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में बेहतर बुनियादी ढाँचा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, पिछले 20 वर्षों में सुशासन की नींव मज़बूत हुई है। आपकी यहाँ उपस्थिति इस बात का संकेत है कि अब 'लाल सलाम' की जगह 'जय श्री राम' के नारे लगेंगे। सीतामढ़ी में अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर की तरह ही भव्य राम-जानकी मंदिर बनेगा। राजद के लालटेन ने यहाँ अंधेरा फैलाया। वे जब चाहते थे लालटेन बुझा देते थे और फिर गरीबों के हक पर डकैती डालते थे। आज बिहार में सड़क और रेल संपर्क बेहतर है।

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच बड़ी वारदात, एएसआई की गला रेतकर हत्या;

सिवान। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस सतर्क होने का दावा कर रही है। इस बीच, सिवान में एक पुलिस अधिकारी की हत्या की खबर सामने आई है। अज्ञात अपराधियों ने सिवान के दरौंदा थाना में पदस्थापित एएसआई की निर्मम तरीके से हत्या कर दी है। घटना की सूचना मिलने के बाद जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि अपराधियों ने धारदार हथियार से सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) की हत्या कर शव को सुनसान इलाके में फेंक दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बयान

मेरी निजी राय में, आरएसएस पर लगना चाहिए प्रतिबंध.....

नई दिल्ली। एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि उनकी व्यक्तिगत राय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि देश में ज्यादातर कानून-व्यवस्था की समस्याएं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस की वजह से पैदा हो रही हैं। खरगे ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से कांग्रेस पर किए गए हमलों पर पलटवार किया। उन्होंने सरदार पटेल के उस बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या (1948) के बाद आरएसएस की आलोचना की थी। आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने के सवाल पर खरगे ने कहा, यह मेरी निजी राय है, इसे किया जाना चाहिए, क्योंकि देश में ज्यादातर मुद्दे और कानून-व्यवस्था की दिक्कतें भाजपा-आरएसएस से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि आज देश 'लौह पुरुष' सरदार पटेल की जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि मना रहा है। ये दोनों महान नेता एक 'आयरन मैन' और एक 'आयरन लेडी' देश की एकता बनाए रखने में बड़ा योगदान देने वाले थे। खरगे ने एक पत्र का भी जिक्र किया जो सरदार पटेल ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को लिखा था, जिसमें उस समय के गृह मंत्री पटेल ने कहा था कि आरएसएस ने ऐसा माहौल बनाया, जिससे महात्मा गांधी की हत्या जैसी त्रासदी संभव हो सकी।

भाजपा ने अरविंद केजरीवाल पर लगाया गंभीर आरोप

भाजपा का तंज-पंजाब में सुपर सीएम के लिए बना नया शीशमहल

नई दिल्ली/ एजेंसी

आम आदमी पार्टी प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर दिल्ली बीजेपी ने नया हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि केजरीवाल पंजाब सरकार के संसाधनों का इस्तेमाल अपनी व्यक्तिगत विलासिता के लिए कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने दावा किया है कि चंडीगढ़ के सेक्टर-2 में पंजाब के मुख्यमंत्री के कोटे से केजरीवाल के लिए दो एकड़ में फैला सात सितारा सरकारी बंगला तैयार किया गया है। दिल्ली बीजेपी ने एक्स (ङ्क) पर एक उपग्रह तस्वीर साझा करते हुए लिखा— दिल्ली का शीशमहल खाली कर अब पंजाब में और भी शानदार शीशमहल तैयार हो गया है। चंडीगढ़ के सेक्टर-2 में 'पंजाब के सुपर सीएम' अरविंद केजरीवाल के लिए दो एकड़ में फैला सात सितारा सरकारी बंगला बनाया गया है। बीजेपी ने केजरीवाल को पंजाब का सुपर सीएम बताते हुए कहा कि जो व्यक्ति खुद को आम आदमी कहता है, वह अब सत्ता की विलासिता का प्रतीक बन गया है। सिर्फ बीजेपी ही नहीं, बल्कि आप की ही राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने भी सोशल मीडिया पर वही तस्वीर साझा करते हुए दावा किया कि केजरीवाल ने हाल में सरकारी संसाधनों का निजी राजनीतिक उपयोग किया। उन्होंने लिखा— कल उन्होंने इसी घर के सामने से सरकारी हेलिकॉप्टर में सवार होकर अंबाला तक यात्रा की और वहां से पंजाब सरकार के निजी विमान से गुजरात चले गए। पूरी पंजाब सरकार एक व्यक्ति की सेवा में लगी है।हम आपको याद दिला दें कि इससे पहले भी

केजरीवाल पर दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते हुए शीशमहल विवाद में करोड़ों रुपये खर्च करने का आरोप लग चुका है। बीजेपी ने 6 फ्लैगस्टाफ रोड स्थित उनके आधिकारिक आवास का एक वीडियो जारी किया था, जिसमें जिम, सॉना रूम और आलीशान सजावट दिखाई गई थी। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष विरेंद्र सचदेवा ने तब कहा था, जो खुद को आम आदमी कहते हैं, उन्होंने टैक्सदाताओं के पैसे से सात सितारा बंगला बना लिया।हालांकि आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों को राजनीतिक साज़िश बताया है। पार्टी ने कहा कि बीजेपी, दिल्ली की बिगड़ती कानून-व्यवस्था और बेरोजगारी से ध्यान भटकाने के लिए बार-बार शीशमहल मुद्दा उठा रही है। हम आपको याद दिला दें कि केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद इस साल की शुरुआत में फ्लैगस्टाफ रोड का आवास खाली कर दिया था और अब वह नई दिल्ली के फिरोजशाह रोड स्थित सांसद आवास में रह रहे हैं।देखा जाये तो अरविंद केजरीवाल राजनीति में आम आदमी की पहचान बनकर आए थे। सादगी, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार विरोधी छवि ही उनकी राजनीतिक पूँजी थी। लेकिन अब वही छवि बार-बार शीशमहल और विलासिता के प्रतीकों में उलझती जा रही है। चाहे दिल्ली का शीशमहल विवाद हो या अब पंजाब के संसाधनों के उपयोग का आरोप— यह केवल राजनीतिक विवाद नहीं बल्कि राजनीतिक विश्वास का संकट भी है।

स्वाति मालीवाल ने आग में घी डाला

आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल द्वारा सोशल मीडिया पर केजरीवाल पर तीखा हमला बोलने के बाद यह विवाद और तूल पकड़ गया। मालीवाल ने आरोप लगाया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने पंजाब में दिल्ली से भी ज़्यादा भव्य शीश महल बनवाया है। उन्होंने पंजाब सरकार पर केजरीवाल की सुविधाओं और उनकी यात्रा को सुगम बनाने के लिए राज्य के संसाधनों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा दिल्ली का शीश महल खाली होने के बाद, अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में दिल्ली से भी ज़्यादा भव्य शीश महल बनवाया है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब के मुख्यमंत्री के कोटे से एक सरकारी बंगला उन्हें अवैध और गैरकानूनी तरीके से आवंटित किया गया था।

160 धान खरीदी केंद्रों के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तर के 147 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति

धान की खरीदी 50 प्रतिशत नवीन एवं 50 प्रतिशत पुराने जूट बारदानें से की जावेगी खरीदी

बालोद। जिले में 17 नवंबर से प्रारंभ होने वाले धान खरीदी को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था के संबंध में चेक लिस्ट जारी की गई है, जिसके अनुसार खरीदी केन्द्रों की तैयारी, बारदानें की उपलब्धता, बारदानों में स्टेंन्सिल, पंजीकृत किसानों से धान की खरीदी, खरीदी का भुगतान, किस्मवार धान की स्टेकिंग की सतत् निगरानी की जानी है। साथ ही प्रत्येक सप्ताह के शनिवार एवं रविवार को एंड्रॉयड मोबाइल से स्टॉक का भौतिक सत्यापन कर डाटा अपलोडिंग करने हेतु कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देश पर 160 खरीदी केंद्रों के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तर के 147 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। अधिकांश केंद्रों में एक-एक नोडल की नियुक्ति की गई हैं, तो कुछ नोडल को दो केंद्रों का जिम्मा सौंपा गया है। नोडल अधिकारियों में सीएमओ, जनपद सीईओ, डीईओ, बीईओ, ईई, सब इंजीनियर, एसडीओ तथा तमाम विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई हैं। गुरुवार को तमाम नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए खरीदी केंद्रों में जाकर चेक लिस्ट अनुसार 29 विषय पर मौके पर निरीक्षण किया और प्रतिवेदन बना प्रस्तुत किया।

ऋण पुस्तिका में खरीदी की एंट्री समिति के द्वारा की जाएगी

वही पंजीकृत किसानों से धान खरीदी हेतु 70 प्रतिशत टोकन मोबाईल एप्प से एवं 30 प्रतिशत टोकन समिति द्वारा मेन्युअल जारी किया जावेगा। सबसे पहले सीमांत एवं लघु किसानों से धान खरीदी की जाएगी। इस दृष्टि से समिति को टोकन जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। धान विक्रय हेतु किसान स्वयं उपस्थित होकर या उनके द्वारा नामांकित नॉमिनी द्वारा बॉयोमेट्रिक के माध्यम से धान का विक्रय कर सकते हैं। यदि उपरोक्त आधार पर यदि कोई कठिनाईयों उत्पन्न होती हैं तो समिति/उपार्जन केन्द्र में बनाए गए ट्रस्टेड पर्सन द्वारा बॉयोमेट्रिक कर उस किसान की धान खरीदी की जा सकती है। साथ ही उपार्जन केन्द्रों में ग्रीष्मकालीन एवं पुराने धान की खरीदी बिल्कुल भी न हो, इसकी समुचित निगरानी करने के भी निर्देश जारी किए गए हैं। जिससे कि शासन के निर्देशानुसार खरीफ वर्ष 2025-26 में उपार्जित धान की ही खरीदी हो सके। प्रत्येक किसानों से धान की खरीदी उपरांत किसान द्वारा लाए गये ऋण पुस्तिका में खरीदी की एंट्री समिति के द्वारा की जाएगी।

पर्याप्त मात्रा में कैप कव्हर हो

शासन के आदेशानुसार प्रत्येक उपार्जन केन्द्र स्तर पर पृथक से दल का गठन किया गया है। जिनके द्वारा भी शासन के निर्देशानुसार धान की खरीदी पर निगरानी प्रतिदिन रखी जावेगी। नोडल अधिकारी उक्त दल के साथ समय-समय पर बैठक कर धान खरीदी का कार्य सुनिश्चित कराएंगे। धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही पाई जाती है तो तत्काल इस संबंध में प्रतिवेदन खाद्य कार्यालय को उपलब्ध कराने के साथ ही राज्य स्तरीय कॉल सेंटर नम्बर 18002333663 में कॉल कर अनियमितता दर्ज कराई जा सकती हैं। बता दे कि शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी कार्य संपादित कराने की संपूर्ण दायित्व नोडल अधिकारी की होगी। वही उपार्जन केन्द्र में पंजीकृत किसानों से 'औसत अच्छी किस्म की धान की खरीदी हो, उपार्जन केन्द्र में जारी टोकन किसानों एवं हमालों के अतिरिक्त अन्य व्यक्ति अनाधिकृत रूप से केन्द्र में उपस्थित न रहे, धान के सुरक्षित रख-रखाव हेतु ड्रेनेज, पानी निकासी एवं पर्याप्त मात्रा में कैप कव्हर हो, इसके भी सख्त निर्देश दिए हैं।

पाई कई कमियां

कई नोडल अधिकारियों को चेक लिस्ट अनुसार निरीक्षण के दौरान धान खरीद केंद्रों में कई कमियां मिली हैं, जैसे समर्थन मूल्य के प्रदर्शन हेतु बैनर/पोस्टर नही लग पाना, निगरानी समिति की नियुक्ति नही होना, हमालों की व्यवस्था नही होना, रंग व सुतली अप्राप्त होना, जनरेटर की व्यवस्था नही होना या फिर खराब होना, तारपोलिन की कमी मिली हैं। जिसका प्रतिवेदन जमा किया गया है।

50प्रतिशत नवीन एवं 50प्रतिशत पुराने जूट बारदानें से की जावेगी खरीदी

उल्लेखनीय है कि खरीफ वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य एवं लिंकिंग पर धान की खरीदी 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक होगी। 15 व 16 को अवकाश के चलते 17 नवंबर से खरीदी का श्री गणेश होगा। धान खरीदी का कार्य सोमवार से शुक्रवार तक (शासकीय अवकाश दिवसों को छोडकर) रहेगी। जारी आदेशानुसार सभी नोडल अधिकारी प्रत्येक सप्ताह के शनिवार व रविवार को पंजीकृत एंड्रॉयड मोबाइल के माध्यम से धान खरीदी केन्द्र में उपस्थित होकर धान एवं बारदानों का ऑनलइन भौतिक सत्यापन करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही साथ समिति/उपार्जन केन्द्रों में बारदानें की उपलब्धता, धान की किस्मवार गणना योग्य स्टेंकिंग, धान का उठाव, किसानों को भुगतान एवं परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। उपार्जन केन्द्रों में आगामी दिवसों हेतु किसानों को जारी टोकन की सूची प्रदर्शन, उस समिति स्तर के व्यापारियों/कोचियों की सूची का प्रदर्शन करेंगे। वही समिति में पंजीकृत कृषकों से ही समर्थन मूल्य पर 'औसत अच्छे किस्म की धान की खरीदी सुनिश्चित करते हुए धान का सैंपल प्रदर्शित कराएंगे। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी धान की खरीदी 50 प्रतिशत नवीन जूट बारदानें एवं 50 प्रतिशत पुराने जूट बारदानें से खरीदी की जावेगी। उक्त दोनों किस्म के बारदानों का रख-रखाव सुरक्षित/सुव्यवस्थित ढंग से रखे जाने के निर्देश दिए गए है, जिससे कि सत्यापन समय बारदानें का गणना किये जाने में सुविधा हो सके।

छोटे भिलौरी में मडई मातर में शामिल हुए आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। बेमेतरा के पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम छोटे भिलौरी में आयोजित मडई मातर कार्यक्रम में शामिल हुए इस दौरान पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का यह एक सामाजिक मिलन का भी पर्व है जिसमें हम सभी आपस में मिलजुल कर अपने ग्राम में आपसी भाईचारे के साथ एक होकर दीपावली पर्व मंडई मातर का आयोजन करते हैं। छत्तीसगढ़ की यह संस्कृति ही हमें आपस में बाधे हुए रखी है और हमारे पुरखों की यह अनमोल विरासत को हमें हमेशा इसी तरह सजो कर रखना है। आपसी भाईचारे और सौहार्द का यह पर्व हम सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए ग्रामीण अंचलों में जो इस परम्परा का निर्वहन किया जा रहा है। वास्तव में यहीं हमारी संस्कृति को समृद्ध और संरक्षित किया गया है। इस अवसर पर उपस्थित रवि परगनिहा भारत भूषण साहू मौजी राम साहू चेतन साहू ईश्वर सिंहा किशन साहू शरद साहू भगेला साहू शिव शंकर साहू घसिया यादव कुमार यादव संतराम यादव मंतराम यादव धनेश्वर साहू टोमन साहू सेवाराम साहू मंगलू साहू सहित भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पूर्व पंजीकृत वाहनों में अनिवार्य रूप से लगाना होगा एचएसआरपी नंबर प्लेट

बेमेतरा। परिवहन विभाग छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा 1 अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट एचएसआरपी लगाना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में जिला परिवहन अधिकारी, बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा जानकारी दी गई कि जिले में 1 अप्रैल 2019 के पूर्व लगभग 49 हजार वाहन पंजीकृत हैं। 28 अक्टूबर 2025 तक कुल 21,496 वाहनों के मालिकों द्वारा एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाने हेतु ऑनलाइन आवेदन किया जा चुका है। 1 अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत 49 हजार वाहनों की तुलना में केवल 43 प्रतिशत वाहन मालिकों द्वारा ही एचएसआरपी नंबर प्लेट हेतु ऑनलाइन आवेदन किए गए हैं, जबकि शेष वाहन मालिकों द्वारा अब तक आवेदन नहीं किया गया है। अब तक 12,569 वाहनों में ही एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाई गई है, जो अपेक्षाकृत कम है। विभाग द्वारा बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद कई वाहन स्वामियों द्वारा अपने वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट नहीं लगाई गई है। इस पर गंभीरता से ध्यान देते हुए विभाग द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि अब राज्य के सभी परिवहन कार्यालयों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाए बिना किसी भी वाहन से संबंधित कार्य नहीं किया जाएगा।

किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि

कवर्धा। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा योजना) के तहत प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) अंतर्गत किसानों का पंजीयन जिले में एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफल्ली एवं सोयाबीन तथा रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए चना, मसूर एवं सरसों फसल उगाने वाले किसानों के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। उप संचालक कृषि अमित कुमार मोहंती ने बताया कि योजनांतर्गत कृषक अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से आवेदन पत्र के साथ ऋण पुस्तिका, बी-1, पी-2, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति जमा कर पोर्टल पर पंजीयन करवा सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा घोषित फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) अरहर 8000 रूपए, मूंग 8768, उड़द 7800, मूंगफली 7263, सोयाबीन 5328, चना 5650, मसूर 6700 तथा सरसों 5950 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। पंजीकृत कृषकों से इन फसलों की खरीदी भारतीय कृषि सहकारी विपणन संघ मर्या. (नेफेड) द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी। शासन द्वारा खरीफ एवं रबी फसलों के उपार्जन के लिए जिले में उपार्जन एवं भण्डारण केन्द्र के रूप में विकासखण्ड कवर्धा से नवीन कृषि उपज मण्डी तालपुर, सेवा सहकारी समितियां पिपरिया, दशरंगपुर, धरमपुरा, खपरी, विकासखण्ड बोड़ला से सेवा सहकारी समितियां बोड़ला, चिल्फी, खैरबनाखुर्द, खैरबनाकला (महादेव), तरेगांव जंगल, संबद्ध भण्डारण केन्द्र छ.ग. स्टेट वेयरहाउस कबीरधाम, विकासखण्ड पण्डरिया से सेवा सहकारी समितियां पण्डरिया, दशरंगपुर, कुण्डा, महली, कुकदुर, कोदवागोडान, संबद्ध भण्डारण केन्द्र सीजीएसडब्ल्यूसी पण्डरिया तथा विकासखण्ड सहसपुर लोहारा से सेवा सहकारी समितियां बिरनुपुरकला, बाजार चारभाठा, रामपुर (ठाठापुर), बिरेन्द्रनगर एवं सुरजपुरा जंगल, संबद्ध भण्डारण केन्द्र छ.ग. स्टेट वेयरहाउस बिरनपुर लोहारा का चयन किया गया है। कृषकों से फसल उपार्जन का कार्य सप्ताह में 5 दिवस (सोमवार से शुक्रवार) किया जाएगा। योजनांतर्गत खरीफ फसलों का उपार्जन अरहर, मूंग एवं उड़द 3.00 क्विंटल प्रति एकड़, मूंगफली 7.00 क्विंटल प्रति एकड़ तथा सोयाबीन 5.00 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से किया जाएगा। उप संचालक कृषि मोहंती ने कृषकों से अपील की है कि जो किसान अब तक पंजीयन से वंचित हैं, वे नियत तिथि 31 अक्टूबर 2025 तक अपने क्षेत्र की संबंधित सेवा सहकारी समिति में पंजीयन कराकर योजना का लाभ प्राप्त करें।

लगातार बारिश से किसान परेशान: खेतों में भीग रही धान की फसल, मेहनत पर पानी फिरने का खतरा

कवर्धा। जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से जारी रुक-रुककर बारिश अब धान की फसल के लिए मुसीबत बनती जा रही है। जहाँ कुछ खेतों में फसल कटाई के लिए पूरी तरह तैयार हो चुकी थी, वहीं कई किसानों ने कटाई शुरू भी कर दी थी, लेकिन अचानक मौसम बिगड़ने से सारी मेहनत पानी में भीगकर खराब होने लगी है। जिले के पंडरिया, बोड़ला, लोरमी सीमा क्षेत्र और कवर्धा ब्लॉक के कई गांवों में धान की कटाई के बाद फसल खेतों में पड़ी रही, जिस पर अब पानी जमा हो गया है। इससे न केवल दाना अंकुरित होने का खतरा है बल्कि भूसा और तना सड़ने लगा है। किसानों का कहना है कि यदि दो-तीन दिन और बारिश जारी रही, तो इस सीजन की पूरी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। खेती-किसानी पर निर्भर अधिकांश ग्रामीण परिवार अब आर्थिक संकट की चिंता में हैं। सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी का समय नजदीक है, लेकिन भीगी हुई फसल न केवल तौल केंद्रों पर अस्वीकृत होगी बल्कि गुणवत्ता में भी गिरावट आएगी। किसानों ने मौसम विभाग और प्रशासन से अपील की है कि मौसम की स्थिति को देखते हुए खरीदी की तारीखों में लचीलापन दिया जाए, ताकि वे नुकसान से बच सकें।

यज्ञदत्त को छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ का उपाध्यक्ष बनाए गए

समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें लड्डुओं से तौला, ढोल-नगाड़ों के साथ किया स्वागत

बालोद। शहर में भाजपायों में जश्न का माहौल देखने को मिला। भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने बालोद जिला के कद्दावर नेता यज्ञदत शर्मा को छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के उपाध्यक्ष बनाए जाने पर समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें लडडुओं से तौला और ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया। यह आयोजन पार्टी और जनता की ओर से उनके प्रति सम्मान और स्नेह का प्रतीक रहा। भाजपा के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने सर्वप्रथम नव नियुक्त यज्ञदत शर्मा के निवास पर पहुंचकर गाजे बाजे के साथ उनका तिलक वंदन कर मिठाई खिलाकर उनका स्वागत सम्मान किया गया। उनके निवास स्थल पर जमकर आतिशबाजी हुई। परिवार के लोगों द्वारा उनकी आरती उतार कर मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया गया। जिसके बाद भाजपा नेता व कार्यकर्ता यज्ञदत शर्मा के साथ पैदल चलकर रैली की शक्ल में गंजपारा स्थित दुर्गा मंदिर पहुंची। वहां यज्ञदत्त का पुष्पवर्षा और जयघोष के साथ भव्य स्वागत किया गया। यज्ञदत शर्मा के व्यक्तित्व और उनके समर्पित कार्यों की झलक बालोद में देखने को मिली। यह दिन न केवल उनके लिए बल्कि पूरे बालोद जिले के लिए गौरव और प्रेरणा का दिन बन गया। जहां यज्ञदत्त शर्मा ने मां दुर्गा और जलेश्वर महादेव की विशेष पूजा अर्चना कर प्रदेश व बालोद जिले की खुशहाली की कामना की गई। इस अवसर पर दुर्गा मंदिर समिति के सदस्यों ने नवनियुक्त छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के उपाध्यक्ष यज्ञदत शर्मा का फूल मालाओं से स्वागत कर लडडुओ से तौला गया।

राज्यमंत्री का पद बालोद को समर्पित करता हूं : यज्ञदत्त

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के उपाध्यक्ष यज्ञदत शर्मा ने कहा कि आप सब लोगों के प्रेम कारण पार्टी ने मुझे छग राज्य लघु वनोपज संघ के उपाध्यक्ष का दायित्व दिया है पार्टी ने उक्त पद को राज्य मंत्री का दर्जा भी दिया है। मै इस सम्मान को बालोद का सम्मान मानता हूं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने पता किया कि शहर के लोग क्या चाहते है। आप सब लोगों ने मन और भाव से मेरी प्रशंसा की है। यही मेरा बनने का आधार बना।अपना पद और मुझे मिली जिम्मेदारी और राज्यमंत्री का पद

गांव से जुड़ा हुआ संस्था है लघु वनोपज

यज्ञदत शर्मा ने कहा कि लघु वनोपज गांव से जुड़ी हुई संस्था है। जिसमें 14 लाख सदस्य, 10 हजार डायरेटर, 900 समितियां और 5 हजार कर्मचारी है। बालोद में भी काम कर सकते है। आमापारा व कुंदरूपारा में तेंदूपता फंड है। वर्तमान में लघु वनोपज ना केवल वनवासियों के लिए महत्वपूर्ण हैं, अपितु ये देश तथा प्रदेश के लिए राजस्व प्राप्ति के लिए एक महत्वपूर्ण साधन हैं। जनजातीय वर्ग के समग्र उत्थान और उनके उद्यमिता दक्षता के विकास पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष तोमन साहू, महामंत्री राकेश छोटू यादव, कृष्णकांत पवार, डॉ प्रदीप जैन ने यज्ञदत शर्मा को उपाध्यक्ष पद मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए बालोद का सौभाग्य बताया। उक्त कार्यक्रम में भाजपा नेता सचिदानंद उपासने, डॉ प्रदीप जैन, कृष्णकांत पवार, विनोद कौशिक, अनिल बोहरा, डब्लू शर्मा, स्वरूप राठी, अमित चोपड़ा, ओम प्रकाश शर्मा, भवानी शर्मा, संतोष शर्मा, मनोज चांडक, नितेश वर्मा, दिलीप गोलछा, राजू टुवानी, संजय चौधरी, जितेंद्र निर्मलकर, राजू पटेल, दीपक लोढा, श्यामा यादव, सुनीता मनहर, छबि सर्वा, प्रितिबाला साहू, आशा पटेल, कमल पंपालिया, लोकेश श्रीवास्तव, संजय दुबे, खेमचंद गोयल, शशांक जैन, उमेश जैन, पवन टुवानी, किशोर भाई पटेल, पफुल पटेल, परमेश्वर राठी, मनीष टावरी, श्रवण टावरी, मनी नायर, अखिलेश तिवारी, वैभव रांखेचा, राहुल साहू, रौनक कत्याल, मनीष झा, बलराम गुप्ता, महावीर तातेड़, लक्की चांडक, आशुतोष कौशिक, अविनाश कौशिक, रामरतन टावरी, आशीष शर्मा, मनीष पंकज व्यास, टिक्कू साहू, सुनील रतन बोहरा, धीरेंद्र बाघमार, मुरारी लाल चंदन, लोचन सिन्हा, विक्रम लालवानी, ताहिर ताज सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे।

सिंघौरी स्कूल में अक्षय नवमी पर्व धूमधाम से मनाया, शिक्षक एवं बच्चे मिलकर विधिविधान से की आंवले पेड़ की पूजा

बेमेतरा। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में आंवला नवमीं पर्व मनाया गया। यह पर्व शिक्षक सहित सभी बच्चों ने पेड़ की पूजा अर्चना कर मनाया। इस पर्व के बारे मे संस्था प्रमुख मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि आंवला के पेड़ की पूजा मुख्य रूप से पौराणिक मान्यताओं, धार्मिक महत्व और स्वास्थ्य लाभों के कारण की जाती है। मान्यताओं के अनुसार, आंवले के पेड़ में भगवान विष्णु, शिव और ब्रह्मा सहित कई देवताओं का वास होता है, और इसकी पूजा से सुख, संपत्ति और उत्तम स्वास्थ्य मिलता है। इसके अतिरिक्त, आयुर्वेद के अनुसार, आंवला को एक अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक फल माना जाता है, जिसे 'अमृतफल' भी कहा जाता है। सरस्वती साहू ने बच्चों को जानकारी देते हुए बताया कि तुलसी श्री हरि विष्णु को अत्यंत प्रिय है और बेल भगवान भोलेनाथ को अतः आंवले के वृक्ष को विष्णु और शिव का प्रतीक चिह्न मानकर मां लक्ष्मी ने आंवले के वृक्ष की पूजा संपन्न की, जिस दिन पूजा की उस दिन नवमी तिथि थी और उसी दिन से इसे आंवला नवमी कहा गया। मां लक्ष्मी की पूजा से प्रसन्न होकर श्री विष्णु और शिव प्रकट हुए। ऐसा माना गया है कि अक्षय नवमी से ही सत्य युग की शुरुआत हुई थी। इसलिए अक्षय नवमी के दिन को सत्य युगादि भी कहा जाता है। इस दौरान मीनाक्षी शर्मा प्रधान पाठक सहित सरस्वती साहू, देवेंद्र साहू, नुतेश्वर चंद्राकर, प्रशांत बघेल, साजन वर्मा सहित स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से जिले के 60,184 से अधिक परिवारों को मिला अपना पक्का आवास

कवर्धा। रोटी, कपड़ा और मकान जीवन की आधारभूत आवश्यकताओं में से एक है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने परिवार को सभी मौसम (गर्मी, ठंड और बरसात) से बचाते हुए लगातार प्रयासरत रहता है कि वह परिवार की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकुशल जीवन यापन कर सके। अपने परिवार को सुरक्षित रखने और समाज में जीवन स्तर को बेहतर बनाए रखने के लिए खुद का पक्का घर भी बहुत जरूरी है। ग्रामीण अंचलों में लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होने के कारण पक्का घर बनाने का सपना जल्द पूरा नहीं हो पता है। जिले के मैदानी क्षेत्र से लेकर वनांचल एवं दुर्गम स्थानों में रहने वाले ग्रामीण भाई बहनों को अपने आशियाने के लिए परेशान ना होना पड़े और उन्हें सम्मान व सुरक्षा के साथ सुखद जीवन देने का सपना छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने देखा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल और उप मुख्यमंत्री के संघर्षो का फल है कि कबीरधाम जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं जनमन आवास अंतर्गत 18 महीने के अल्प समय में 60184 से अधिक आवास स्वीकृत होकर निर्माण का वृहद अभियान लगातार चल रहा है और अब योजना के सकारात्मक नतीजे भी सबके सामने है जिसमे हजारों ग्रामीण आवासहीन परिवार अपने पक्के आवास में परिवार सहित सकुशल जीवन यापन कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण पर एक नजर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के लगातार प्रयासों का नतीजा है कि जिले में दिसंबर 2023 से 59280 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास देने के लिए लक्ष्य रखा गया। अल्प समय में 50559 ग्रामीण परिवारों को प्रति परिवार की दर से 1.20 रुपए की लागत से प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर उनके जीवन में अपार खुशियों की सौगात दी गई। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत निरंतर कार्य करते हुए निर्माण कार्य को पूरी गति से आगे बढ़ाया गया। जिसका सुखद परिणाम है कि सिर्फ डेढ़ वर्ष के अंदर ही 24320 ग्रामीण परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास का निर्माण पूरा हो गया। अब यह परिवार खुशी से अपने पक्के घर में निवास कर रहे हैं। इसके साथ ही 26239 ग्रामीण परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास बनाने का कार्य भी पूरी गति से चल रहा है। उल्लेखनीय है कि सभी आवासों का निर्माण हितग्राही स्वयं कर रहे हैं और पैसा उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से सीधे जारी हो रहा है। मैदानी क्षेत्रों में बन रहे पक्के आवासों की बानगी आज देखते ही बनती है। ग्राम पंचायत खैरबनाकला में 222 परिवारों के लिए आवास स्वीकृत हुए जिनमें से 179 पूरे हो गए। इसी तरह से राजानवागांव में 190 में से 151, खारा में 198 में से 107, मण्डलाटोला में 146 में से 109, केसली में 139 में से 123, भागुटोला 133 में से 109, पनेका 114 में से 102, डाबरी 209 में से 172, किसुनगढ़ 201 में से 170, कुआंमलगी 219 में से 161, पेंड्रीखुर्द 185 में से 128, सुकतरा 110 में से 105, कुमार दनिया 139 में से 114 धरमगढ़ 137 में से 122 हथलेवा 138 में से 124 परिवार अब अपने नए घरों में खुशी से जीवन यापन कर रहे हैं। यहां आंकड़े तो सिर्फ कुछ ग्राम पंचायतो के हैं जिले के अधिकांश ग्राम पंचायतो में हजारों आवास बन गए है और ग्रामीण परिवार इसे सीधे लाभान्वित हो रहा है।

सुख, समृद्धि और विकास की नई राह, पीएम जनमन आवास के कार्यों पर एक नजर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का ही सपना था कि हमारे बैगा समुदाय के लोगों को उनका अपना पक्का घर मिले जो वनांचल, पहाड़ी एवं दुर्गम क्षेत्रो में रहते है। विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवारों को विकास के मुख्य धारा में जोड़ने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। यही कारण है कि पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना अंतर्गत सर्वाधिक आवास निर्माण की स्वीकृति कबीरधाम जिले में दी गई है। आज ज़िले के वनांचल क्षेत्रो में 9625 बैगा परिवारों के लिए 2 लाख रुपए प्रति परिवार की दर से जनमन आवास स्वीकृत हुआ है। विषम परिस्थितियों में कार्य करते हुए 3513 बैगा परिवारों का अपना पक्का घर बन चुका है और वह खुशी-खुशी इन घरों में रह रहे हैं। जनमन आवास के निर्माण में 95 दिवस का रोजगार महात्मा गांधी नरेगा योजना द्वारा अलग से प्राप्त हो रहा है। इसके साथ ही शौचालय की सुविधा,राशन कार्ड, आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत स्वास्थ्य कार्ड, महतारी वंदन योजना जैसे प्रमुख योजनाओं से इन्हें जोड़ा गया है। वनांचल क्षेत्र के ग्राम पंचायत के केसमर्दा में 272 स्वीकृत आवास में से 118 घर पूर्ण हो गए हैं, इसी तरह ढोलबज्जा के 248 में से 164, लूप 241 में से 109, तेलियापानी लेदार 384 में से 84 अमनिया 333 में से 85 भेलकी 239 में से 85 डालामहुआ 240 में से 90 जनमन आवास का निर्माण पूरा हो चुका

आवास निर्माण के साथ डीलर दीदी, पशु शेड, कूप एवं डबरी निर्माण बने आजीविका के नए साधन : सीईओ

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास निर्माण में तेजी लाने के लिए बिहान योजना की महिला समूह डीलर दीदी के रूप में सामने आई है। महिला समूह द्वारा सेंट्रिंग् प्लेट एवं अन्य बिल्डिंग मटेरियल हितग्राहियों को कम दर पर प्रदाय किया जा रहा है जो इनके आजीविका का साधन भी है। डीलर दीदी के रूप में महिला समूह को नई आजीविका मिली है और ग्रामीण परिवारों को सस्ते दर पर बिल्डिंग मटेरियल। महात्मा गांधी नरेगा से कुकुट पालन बकरी पालन एवं गोवंश को रखने के लिए पशु शेड भी बड़ी मात्रा में स्वीकृत किया गया है। पशुधन से आजीविका को बढ़ावा देने के लिए यह कार्य हो रहे हैं, साथ ही कूप और डाबरी निर्माण के द्वारा इन परिवारों को सिंचाई के साधनों से जोड़ा गया है, जिससे कि वह अपने खेतों की सिंचाई कर सब्जी उत्पादन का कार्य कर आजीविका संवर्धन की ओर अग्रसर हो सके।

संक्षिप्त समाचार

भारतमाला परिजनयोंजना घोटाला मामले में तीन पटवारी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने भारतमाला परियोजना में हुए कथित घोटाले के मामले में आरोपित राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज होने के बाद ईओडब्ल्यू-एसीबी ने घोटाले में शामिल तीन पटवारियों को गिरफ्तार भी कर लिया है।बता दें कि मंगलवार को मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की सिंगल बेंच में हुई। जिसमें कोर्ट ने उक्त घोटाले में शामिल अधिकारियों कर्मचारियों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। आरोपियों में तत्कालीन एसडीएम निर्भय कुमार साहू, तहसीलदार लेखराम देवांगन, लखेश्वर प्रसाद किरण, शशिकांत कुर्रे, नायब तहसीलदार डीएस उइके, राजस्व निरीक्षक रोशन लाल वर्मा और पटवारी दीपक देव शामिल हैं। यह भी बता दें कि ईओडब्ल्यू-एसीबी की जांच में खुलासा हुआ है कि इन अधिकारियों ने भूमाफि याओं से मिलीभगत कर भारतमाला परियोजना के अंतर्गत भूमि अधिग्रहण में भारी गड़बड़ी करते हुए भूमालिकों को वास्तविक मूल्य से कई गुना अधिक मुआवजा राशि दिलवाई जिससे सरकार को लगभग 600 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। मामले के सामने आने के बाद राज्य सरकार ने सभी आरोपी अधिकारियों को निलंबित कर दिया था।

फॉर्मेसी की छात्रा ने हॉस्टल में फांसी लगाकर की खुदकुशी

रायपुर। बिलासपुर जिले मस्तूरी थानाक्षेत्र स्थित एक निजी गर्ल्स हॉस्टल में फॉर्मेसी की छात्रा के फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। मृतिका की पहचान लोहरसी सोन निवासी यामिनी कोशले के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह मस्तुरी थाना क्षेत्र के ग्राम पेंड्री स्थित गुप्ता गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं ने वहीं रहने वाली छात्रा यामिनी सांदीपनी की लाश फांसी पर लटके हुए देखी और तत्काल इसकी सूचना हास्टल संचालक को दी जिन्होंने इसी जानकारी मस्तूरी थाना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रा का शव फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया तथा उसके परिजनों को इसकी सूचना भिजवा दिया। बताया जाता है कि मृतका ग्राम लोहरसी सोन की रहने वाली थी तथा पेंड्री सान्दीपनि कॉलेज में डी फॉर्मेसी फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चैतन्य बघेल की रिमांड 12 नवंबर तक बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की रिमांड 12 नवंबर तक बढ़ गई है। चैतन्य बघेल अब 12 नवंबर तक जेल में ही रहेंगे। बता दें कि रिमांड खत्म होने के बाद आज बुधवार को चैतन्य बघेल को कोर्ट में पेश किया गया था। लेकिन सुनवाई के बाद कोर्ट ने रिमांड बढ़ाने का फैसला लिया और चैतन्य बघेल को 12 नवंबर तक न्यायिक रिमांड में जेल में रहने का आदेश सुनाया।यह भी बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग और शराब घोटाला मामले में 18 जुलाई को भिलाई निवास स्थान से गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय के मुताबिक चैतन्य बघेल ने 16 करोड़ 70 लाख रुपए की अवैध कमाई को अपने रियल एस्टेट प्रोजेक्ट मे इन्वेस्ट किया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव द्वारा कुम्हारी को 16 करोड़ के विकास कार्यों की सौगातें

महाविद्यालय भवन के बाउण्ड्रीवॉल के लिए 30 लाख देने की घोषणा

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में आज नगर पालिका कुम्हारी में 16 करोड़ 30 लाख 51 हजार रुपए की लागत के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन संपन्न हुआ। इनमें वार्ड क्रमांक 15 में 30 लाख रूपए की लागत से अटल परिसर निर्माण कार्य, 5 करोड़ 32 लाख 68 हजार रूपए के लागत से जंजगिरी तालाब का सौंदर्यीकरण एवं अन्य विकास कार्य, 16 लाख 92 हजार रुपए की लागत से वार्ड क्रमांक 13 जी.ई.रोड कुम्हारी टोल प्लाजा के पास आकांक्षीय शौचालय निर्माण कार्य, 03 करोड़ 01 लाख 21 हजार रूपए की लागत से नगर पालिका कुम्हारी क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डों में सी.सी. रोड एवं बी.टी. रोड निर्माण कार्य, 01 करोड़ 67 लाख 72 हजार रूपए की लागत से नगर पालिका कुम्हारी क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डों में आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, 01 करोड़ 16 लाख 14 हजार रूपए की लागत से नगर पालिका कुम्हारी क्षेत्रांतर्गत पेवर ब्लाक, चबूतरा, शेड, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण तथा 04 करोड़ 65 लाख 84 हजार रूपए की लागत से स्वर्गीय श्रीमती बिन्देश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय भवन का भूमिपूजन शामिल है। उन्होंने महाविद्यालय भवन बाउण्ड्रीवॉल हेतु 30 लाख रूपए की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री विजय बघेल ने की। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि आज नगर पालिका कुम्हारी के अंतर्गत 11 करोड़ 64 लाख रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया है। साथ ही 04 करोड़ 65 लाख लागत के स्वर्गीय श्रीमती बिन्देश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय भवन का भूमिपूजन भी संपन्न हुआ है। उन्होंने भूमिपूजन का महत्व बताते हुए कहा कि भूमिपूजन के माध्यम से हम धरती माता से क्षमा याचना करते हैं। निर्माण कार्य के दौरान अनेकों जीव-जन्तु मारे जाते हैं, उनकी आत्मा की शांति के लिए भूमिपूजन किया जाता है। इसके अलावा स्थान छोड़कर जाने वाले जीव-जन्तु के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि धरती का

भार शेषनाग ने उठाया है, इसके लिए भी हम प्रार्थना करते हैं। साथ ही भवन का निर्माण वास्तुशास्त्र के अनुरूप हो, इसके लिए भी भूमिपूजन के माध्यम से कामना की जाती है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय परिवार के लिए यह खुशी की बात है कि आज स्वयं के भवन का निर्माण होने जा रहा है। प्रदेश सरकार विद्यार्थियों का भविष्य गढ़ने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रयास कर रही है। श्री साव ने उम्मीद जताई कि महाविद्यालय भवन निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होगा और विद्यार्थियों को नये भवन में विद्या अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने सांसद श्री विजय बघेल एवं महाविद्यालय की प्राचार्य की मांग का जिक्र करते हुए महाविद्यालय भवन के बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य के लिए 30 लाख रूपए की घोषणा किया। सांसद श्री विजय बघेल ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रदेश सरकार का विकास कुम्हारी में दिख रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश चहुंमुखी विकास की ओर बढ़ रहा है। यह महाविद्यालय भी बहुत जल्द बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने महाविद्यालय भवन के बाउण्ड्रीवॉल निर्माण हेतु प्राचार्य की मांग का समर्थन करते हुए मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री साव से आवश्यक राशि की घोषणा करने का आग्रह किया। महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुनीता सोनवती ने स्वागत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने महाविद्यालय भवन के लिए बाउण्ड्रीवॉल निर्माण हेतु मुख्य अतिथि श्री साव का ध्यान आकृष्ट किया। इस अवसर पर नगर पालिका कुम्हारी की अध्यक्ष श्रीमती मीना वर्मा, अहिवारा विधायक प्रतिनिधि श्री संजय बघेल तथा श्री सुरेन्द्र कौशिक एवं अन्य जनप्रतिनिधि, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

धान खरीदी के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक की जाएगी। जिले में खरीदी कार्य को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने, बारदानों की व्यवस्था, धान के उठाव एवं निराकरण सहित संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन बीजापुर द्वारा विभिन्न केंद्रों के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जिसके तहत बीजापुर के लिए जागेश्वर कौशल अनुविभागीय अधिकारी, नैमेड़ के लिए एम.एस. कुसरे उप संचालक कृषि, गंगालूर के लिए उत्तम कुमार भारती सहायक खाद्य अधिकारी, तोयनार के लिए चिरंजीव कुमार खनिज अधिकारी तथा धनोरा के लिए योगेश कुमार साहू, कार्यपालन अधिकारी, जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह चेरपाल के लिए रामचन्द्र राव सहायक संचालक उद्यानिकी, पापनपाल के लिए के.के. सिन्हा सहायक संचालक कृषि, उसूर के लिए भूपेन्द्र गावरे अनुविभागीय अधिकारी एवं कमल दास झाड़ी डीएमसी बीजापुर, बासागुड़ा के लिए टामेश सिंह नागवंशी जिला विपणन अधिकारी, इलमिड़ी के लिए अंकित सिंह राजपूत नायब तहसीलदार तथा मोदकपाल के लिए उत्तम सिंह पंचारी, डिप्टी कलेक्टर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा पामेड़ के लिए पी.के. चन्द्राकर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत उसूर, संकनपल्ली के लिए श्यामलाल खैरवार जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड।

मोदी की गारंटी को मूर्त रूप दे रहा विष्णु देव सरकार......

■ पीएम आवास, जनमन योजना और किसानों को सम्मान निधि देकर लोगों का विश्वास हासिल किया

रायपुर/ संवाददाता

विष्णु देव सरकार ने मोदी की गारंटी और भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र को मुर्त रूप दिया है। इसके तहत पीएम किसान सम्मान निधि, महतारी वंदन योजना तथा आवास योजना को सफल बनाने का सपना साकार किया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के तहत पीएम आवास योजना को साकार करने के लिए जमीनी स्तर पर जानकारी ली तथा कई दोषी अधिकारियों को दण्डित किया है। गत दिनों केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ का कोटा बढ़ा दिया है, जिसके तहत 26 लाख परिवार का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। किसानों को समर्थन मूल्य पर धान की राशि दी जाती है, लेकिन बोनस के रूप में किसान सम्मान निधि के लिए 10 करोड़ रूपए दिया गया है। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राज्य में डबल इंजन की सरकार आते ही विकास कार्य चौतरफा हो रहे हैं। केन्द्र में मोदी सरकार आते ही राज्य के हितों का ध्यान रखा जा रहा है। 47,000 करोड़ की लागत से रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन, जल जीवन मिशन के तहत 40 लाख से अधिक परिवारों को स्वच्छ पेयजल, पीएम आवास योजना से 26 लाख परिवारों का पक्के घर का सपना साकार, पीएम जनमन योजना से 59 हजार परिवारों को मिल रहा लाभ, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान से 6,691 ग्राम लाभान्वित हुए, 40,000 करोड़ से अधिक की लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास, महतारी वंदन योजना से 69 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में पहुँचे।

केन्द्रीय मंत्री ने जनजातीय संग्रहालय के लोकार्पण की तैयारियों का लिया जायजा

■ राज्योत्सव पर 1 नवम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी करेंगे संग्रहालय का उद्घाटन

रायपुर/ संवाददाता

केन्द्रीय जनजातीय मामले के मंत्री श्री जोएल ओराम ने आज शाम निर्माण स्थल पहुंच कर नवा रायपुर, अटल नगर मे छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेननियों के शौर्य गाथा की स्मृति में तैयार भव्य एवं आकर्षक शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह-संग्रहालय के लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लिया। गौरतलब है कि प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी राजयोत्सव के मौके पर 01 नवंबर को शहीद वीर नारायण सिंह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह-संग्रहालय का उदघाटन करेंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री ओराम ने इस दृष्टिकोण से सुरक्षा सहित अन्य अवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। छत्तीसगढ़ सरकार में आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम और विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने इस दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री जोएल ओराम को छत्तीसगढ़ मे हुए जनजातीय विद्रोहों और स्थापित गैलरियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। मंत्री श्री ओराम ने जनजातीय संस्कृति एवं परंपराओं पर बने संग्रहालय का भी निरीक्षण किया । मंत्री श्री नेताम ने श्री ओराम को बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनजाति के वर्ग के ऐतिहासिक घटनाओं और परंपराओं के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से इन संग्रहालय के निर्माण का बिडा उठाया है, जो बनकर तैयार है। छत्तीसगढ़ रजत जंयती वर्ष, राज्योत्सव के मौके पर 1 नवम्बर को प्रधानमंत्री श्री मोदी के करकमलों से इस संग्रहालय का लोकार्पण होगा। केन्द्रीय मंत्री श्री ओराम ने जनजाति नायक-नायिकाओं के वीरगाथाओं पर तैयार इस जीवंत संग्रहालय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जनजातीय वर्गों के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक यह स्मारक सह-संग्रहालय लोगों के समर्पित होगा है और यह संग्रहालय नई पीढ़ियों को पुरखों की वीर गाथाओं को अवस्मरणीय बनाएगा। उल्लेखनीय है कि शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह-संग्रहालय 50 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जा रहा है।

सामान्य सभा की बैठक में जनहित के मुद्दों को लेकर विपक्ष महापौर को घेरा

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर नगर निगम के निर्वाचित जनप्रतिनिधि की सामान्य सभा की बैठक आज निगम मुख्यालय में अपने निर्धारित समय में शुरू हुई, इसमें पूर्व बैठक की प्रस्तावों की पुष्टि की गई तथा पार्षदों द्वारा प्रश्नकाल के दौरान अवैध प्लाटिंग, साफ, सफाई एवं स्ट्रीट लाईट नहीं जलने के संबंध में प्रश्न पूछे गए। नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने महापौर की कार्यप्रणाली पर उठाए अनेक सवाल। नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक सभापति सूर्यकांत राठौर की अध्यक्षता में शुरू हुई। बैठक के प्रारंभ में नवनियुक्त नेताप्रतिपक्ष आकाश तिवारी का स्वागत महापौर ने किया। जीएसटी रिफॉर्म को लेकर प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया गया। नई जीएसटी रिफॉर्म से जनता को कई सुविधाएं मिली है। एजेंडा क्रमांक 4 में खारून नदी के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल महादेवघाट का पुर्नविकास हेतु 20 की राशि का प्रस्ताव रखा गया। वहीं बुढ़ापारा सीएसईबी चौक से लेकर पचपेढ़ी नाका चौक तक सड़क का चौड़ीकरण किया जाएगा। गौरवपथ बनाने के लिए डेढ़ करोड़ की राशि खर्च की जाएगी। सिटी डेवलपमेंट बनाने की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। विपक्षी पार्षदों ने आरोप लगाया कि महापौर की कोई कार्यप्रणाली नहीं है। वे विदेश घूमती रहती हैं। आकाश तिवारी ने कहा कि रायपुर की हितों की ओर ध्यान देना चाहिए। नगर पालिक निगम की सामान्य सभा की बैठक रायपुर नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर स्थित निगम सामान्य सभाकक्ष में नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़ के सभापतित्व में हुई। बैठक में नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम रायपुर के नेता प्रतिपक्ष श्री आकाश तिवारी को बुके प्रदत्त कर आत्मीय स्वागत किया.नगर निगम सचिव श्रीमती संगीता साहू ने भी नगर निगम नेता प्रतिपक्ष श्री आकाश तिवारी का सामान्य सभा की बैठक में बुके प्रदत्त कर आत्मीय स्वागत किया।

वर्षा होने से धान की कटाई हो रही प्रभावित

रायपुर। समुद्री तूफान मोन्था के कारण इस समय छत्तीसगढ़ में बेमौसम वर्षा हो रही है। खेतों में पानी भरने के कारण किसान धान की कटाई नहीं कर पा रहे हैं, जिसके कारण किसान चिंतित हैं, आज भी राजधानी में हल्की वर्षा हुई तथा उमश के कारण लोग बेचैन रहे। समुद्री तूफान मोन्थ समुद्र से टकराने के बाद ओडिशा के गंजाम जिले में पहुंच गया है। तेज हवा चलने के कारण यहा पर जनजीवन प्रभावि हा रहा है। कृषि विभाग के अनुसार राज्य में इस समय धान कटाई का काम दीपावली पश्चात शुरू हो गया है, लेकिन खेत में पानी भर गया है, जिसके कारण हार्वेस्टर से धान की कटाई नहीं हो पा रही है। किसान धान की कटाई परंपरागत ढंग से नहीं कर पा रहे है। काफी मजदूरी मांगने के कारण किसान परेशान हैं। मौसम विभाग के वैज्ञानिक से मिली जानकारी के अनुसार एक प्रबल चक्रवात पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी में स्थित है तथा यह 12 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है । इसके लगातार उत्तर उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए आंध्र प्रदेश तट पर मछलीपट्टनम और कालिंगपटनम के बीच काकनाड़ा के पास आज शाम को अथवा रात्रि में तट को पार करने की संभावना है। तट पार करते समय चक्रवात के हवा की गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे तथा बीच-बीच में 110 किलोमीटर प्रति घंटे की चलने की सम्भावना है । प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़े।

बस्तर की महिलाओं को सशक्त बनाएगा ग्रोथ सेंटर, स्थानीय उत्पादों से बनेगी नई पहचान

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने तुरेनार के ग्रोथ सेंटर का किया निरीक्षण

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा ने गुरुवार को बस्तर जिले के ग्राम तुरेनार में स्थित ग्रामीण औद्योगिक केंद्र में संचालित ग्रोथ सेंटर का निरीक्षण किया। यहां महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे उत्पादों के प्रसंस्करण का जायजा लेते हुए उन्होंने कहा कि मूल्यवर्धन हमारा मूल उद्देश्य है। बस्तर के स्थानीय उत्पादों को बाजार में बेहतर कीमत दिलाकर हम ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और महिलाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। प्रभारी मंत्री श्री शर्मा ने ग्रोथ सेंटर में चल रही गतिविधियों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें बताया कि वर्तमान में केंद्र में हल्दी, मिर्च और धनिया का प्रसंस्करण हो रहा है जल्द ही तीखुर का प्रसंस्करण भी शुरू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बस्तर की विशिष्ट पहचान बेलमेटल के भी उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने महिला समूह की दीदीयों से चर्चा भी की। जहां महिला समूह की सदस्यों ने उन्हें मसालों की खरीदी, प्रसंस्करण तथा बिक्री प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी और उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी के उत्कृष्ट कार्य और मेहनत के लिए सभी की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि बस्तर में प्रचुरता से उपलब्ध स्थानीय उत्पादों के प्रसंस्करण पर कार्य करें, जिससे आय में वृद्धि के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति प्राप्त होगी। भविष्य की योजनाओं को गति देते हुए उन्होंने केंद्र में इमली प्रसंस्करण इकाई को जल्द स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्व-सहायता समूहों को इमली का बीज, तीखुर की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए इनके उत्पादक क्षेत्रों की मैपिंग कर महिला समूहों के माध्यम से संग्रहण करवाकर प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग कराने को कहा। जिससे मूल्यवर्धन हो और महिलाओं को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सके। उन्होंने महिला समूहों के लिए कोल्ड स्टोरेज बनाने और महुआ से लड्डू, कुकीज़, काजू एवं रागी प्रीमिक्स तथा अन्य स्थानीय उत्पादित उत्पादों का प्रसंस्करण कराकर मूल्यवर्धन कराने को कहा ताकि ग्रामीण महिलाओं को घर बैठे रोजगार प्राप्त हो और बस्तर की महिलाएं आर्थिक

रूप से सशक्त हो सकें। इस मौके पर पूर्व विधायक श्री सुभाऊ कश्यप, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रतीक जैन सहित, जनपद सीईओ श्री अमित भाटिया, जनप्रतिनिधि, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला कार्यक प्रबंधक, पी डब्ल्यू सी टीम एवं अन्य कर्मचारी और महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य मौजूद रहीं।

उपमुख्यमंत्री ने बस्तर में किया रेडी-टू-ईट इकाई का उद्घाटन

राज्य शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पहल कर उन्हें रेडी-टू-ईट निर्माण का दायित्व सौंपा गया है। जो महिलाओं के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेगी। गुरुवार को उप मुख्यमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा ने तुरेनार स्थित ग्रामीण औद्योगिक पार्क परिसर में प्रगति महिला स्व सहायता समूह द्वारा संचालित रेडी-टू-ईट इकाई का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। यहां उत्पादित पौष्टिक भोजन 409 आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचेगा, जहां प्रति माह 70 से 75 टन की खपत होगी। इससे बच्चों के पोषण के साथ-साथ महिला स्व सहायता समूहों को रोजगार और आर्थिक स्वावलंबन मिलेगा। इकाई की मशीनरी की कुल लागत लगभग 55 लाख रुपये है, जिसमें 35 प्रतिशत अनुदान प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के तहत उद्योग विभाग से प्राप्त हुआ। शेष राशि जीवन ज्योति क्लस्टर संगठन के माध्यम से बैंक लोन से जुटाई गई है। इकाई की उत्पादन क्षमता प्रति घंटे 5 क्विंटल है।उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वर्तमान शासन ने बच्चों एवं महिलाओं के सुपोषण को मद्देनजर रखते हुए फिर से महिला शक्ति के हाथों पोषण आहार तैयार करने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है। छत्तीसगढ़ सरकार महिला स्व सहायता समूहों को तकनीकी, वित्तीय और बाजार सहायता देकर रेडी-टू-ईट उद्योग से जोड़ रही है। यह बस्तर की महिलाओं को आर्थिक सक्षमता और सशक्तता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस उद्घाटन समारोह में पूर्व विधायक डॉ. सुभाऊ कश्यप, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री मनोज सिन्हा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री राजकुमार देवांगन सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहे।

संपादकीय

एसआईआर की दूसरी परीक्षा

रिवीजन यानी एसआईआर के दूसरे चरण का ऐलान कर दिया है। इस बार राज्य ज्यादा हैं - 12, तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल असेंबली इलेक्शन है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया। इस बार आयोग ने एसआईआर के लिए खुद को अधिक वक्त दिया है। बिहार में सबसे बड़ा सवाल जल्दबाजी को लेकर ही उठा था। राज्य में जून के आखिर में वोटर पुनरीक्षण अभियान की घोषणा की गई थी, जबकि पता था कि अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस हड़बड़ी का असर पूरी प्रक्रिया के दौरान दिखा, खासकर डॉक्युमेंट्स को लेकर जनता ही नहीं, चुनाव कर्मियों में भी गफलत की स्थिति रही। सरकारी कार्यालयों में भीड़ उमड़ने से जैसी अफरातफरी देखने को मिली, वैसा नहीं होना चाहिए। आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है। एसआईआर को 21 साल बाद अंजाम दिया जा रहा है। वोटर लिस्ट में समय-समय पर सुधार जरूरी है और इस प्रक्रिया के औचित्य पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन इसे अंजाम देने के तरीके पर जरूर ध्यान देना चाहिए। एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे।

अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के मुताबिक, जहां ट्रंप ने आने वाली पहली बातचीत में फेंटेनाइल मुद्दा उठाने की बात कही है, वहीं शी जिनपिंग ने भी वार्ता को रचनात्मक बताया। अगली मुलाकात आगामी 30 अक्टूबर को साउथ कोरिया के बुसान में होगी, जहां एपीईसी सम्मेलन भी आयोजित हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की आसियान बैठक के बहाने हुई मुलाकात में मुख्यतः व्यापारिक तनाव को कम करने और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने पर गम्भीरता पूर्वक चर्चा हुई। बताया जाता है कि दोनों देशों ने टैरिफ, निर्यात नियंत्रण, कृषि उत्पादों के व्यापार, और फेंटेनाइल तस्करी जैसे अहम मसलों पर बातचीत की। खास बात यह रही कि बातचीत के दौरान अमेरिका ने चीन पर फेंटेनाइल की तस्करी का आरोप लगाया, जिसे ट्रंप ने अपनी बातचीत का मुख्य मुद्दा बनाया।

जब डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की कटुता कम होगी तो भारत व अन्य देश भी लाभान्वित होंगे!

(कमलेश पांडे)

इसके अलावा, रूस से तेल खरीद, अमेरिकी किसानों से आयात, व्यापार असंतुलन जैसे विषय भी बैठक में उठाए गए। यही वजह है कि दोनों देशों ने व्यापार युद्ध को खत्म करने और वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए बुनियादी सहमति पर पहुंचने की कोशिश की है। गौरतलब है कि दोनों देशों ने ही मुलाकात की पुष्टि की है, और यह माना जा रहा है कि संबंधों में सुधार की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम है।

अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के मुताबिक, जहां ट्रंप ने आने वाली पहली बातचीत में फेंटेनाइल मुद्दा उठाने की बात कही है, वहीं शी जिनपिंग ने भी वार्ता को रचनात्मक बताया। अगली मुलाकात आगामी 30 अक्टूबर को साउथ कोरिया के बुसान में होगी, जहां एपीईसी सम्मेलन भी आयोजित हो रहा है। इस बैठक में ताइवान और हांगकांग जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है, जिसमें ट्रंप ने लोकतंत्र समर्थक नेता जिमी लाई की रिहाई का मुद्दा उठाने की बात कही है।

कुल मिलाकर, यह मुलाकात अमेरिका-चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक और राजनीतिक तनाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जो वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वहीं, ट्रंप और शी जिनपिंग की आसियान बैठक में हुए व्यापार समझौते के प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं:-

पहला, व्यापार युद्ध विराम विस्तार- दोनों देशों ने व्यापार युद्ध विराम समझौते को विस्तारित करने पर सहमति बनाई, जिससे व्यापारिक तनाव कम होगा।

दूसरा, टैरिफ वार टालना- अमेरिका ने 1 नवंबर से चीन पर 100त्न टैरिफ लगाने की धमकी की थी, जिसे समझौते के तहत टाला गया। चीन ने अमेरिकी टैरिफ और निर्यात प्रतिबंधों पर सौहार्दपूर्ण वार्ता की सहमति दी।

तीसरा, फेंटेनाइल नियंत्रण- व्यापार के अलावा, फेंटेनाइल तस्करी के मुद्दे पर भी चर्चा हुई, जिसे अमेरिकी पक्ष ने गंभीरता से उठाया।

चतुर्थ, निर्यात नियंत्रण- चीन के रेयर अर्थ मिनरल्स और अन्य प्रमुख विनिर्माण इनपुट पर निर्यात नियंत्रण पर बातचीत हुई, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला स्थिर रह सके।

पंचम, कृषि एवं तेल आयात- अमेरिकी किसानों से फसल खरीद और रूस से तेल खरीद को लेकर भी बहस हुई, जो दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन को कम करने में मदद करेगी।

षष्ठम, वैश्विक आर्थिक स्थिरता- दोनों नेताओं ने वैश्विक बाजारों में स्थिरता बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई।

समझा जाता है कि इस समझौते से अमेरिका-चीन के व्यापारिक विवादों में कमी आने और वैश्विक आर्थिक दुष्प्रभावों को कम करने की उम्मीद है। इसप्रकार से यह बैठक रणनीतिक आर्थिक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ट्रंप और शी जिनपिंग ने टैरिफ और निर्यात नियंत्रण पर महत्वपूर्ण बातें कही हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बताया कि अमेरिका ने चीन पर 100 प्रतिष्ठित टैरिफ लगाने की योजना को अब टाल दिया है, जिससे बड़े टैरिफ युद्ध की आशंका कम हो गई है। दोनों देशों ने चीन की दुर्लभ पृथ्वी मृदा पदार्थों के निर्यात नियंत्रण को कुछ समय के लिए स्थगित करने पर सहमति जताई है। इस समझौते को लेकर दोनों पक्षों की बातचीत को 'रचनात्मक और गहन' बताया गया है।

वहीं, चीन ने भी यह खुलकर माना है कि निर्यात नियंत्रण को लेकर प्रतिबंधों में ढील दी जा सकती है, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन में स्थिरता बनी रहे। इस कदम से व्यापार में संतुलन आएगा और दोनों देशों के बीच तनाव कम होगा। इसके साथ ही, व्यापार युद्ध को खत्म कर आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

बता दें कि इस सबके पीछे प्रमुख कारण अमेरिका द्वारा 1 नवंबर से नए 100 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की धमकी थी, जिसे चर्चा के बाद टाला गया। दोनों नेताओं की मुलाकात में इन मुद्दों को लेकर गंभीर और सकारात्मक बातचीत हुई है, जिससे व्यापारिक संबंध बेहतर हो सकेंगे।

इसलिए, टैरिफ टालने और निर्यात नियंत्रण पर सहमति ने आगामी व्यापारीय विवादों को कम करने का मार्ग प्रशस्त किया है और एक संतुलित, स्थिर व्यापारिक वातावरण बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

इन बातों से स्पष्ट है कि ट्रंप और जिनपिंग की मुलाकात के वैश्विक मायने बड़े और कई पक्षों से देखे जा सकते हैं। कुल मिलाकर यह बैठक अमेरिका और चीन के बीच बढ़ रहे व्यापारिक तनाव, विशेषकर टैरिफ विवाद पर समाधान की उम्मीद जगाती है। बताया जाता है कि आगामी 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया में दोनों देश के नेता मिलेंगे और अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए गए 155 प्रतिशत से अधिक टैरिफ के मुद्दे पर बातचीत करेंगे, जिससे वैश्विक व्यापार में स्थिरता आ सकती है।

इसके अलावा, इस मुलाकात में ताइवान की स्थिति, यूक्रेन युद्ध, और फेंटेनाइल की तस्करी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी चर्चा होगी। ट्रंप ने कहा है कि उनका उद्देश्य किसानों के हितों का संरक्षण करते हुए दोनों देशों के बीच व्यावहारिक और पूर्ण समझौता करना है। कहना न होगा कि यदि यह वार्ता सफल होती है, तो इससे न केवल अमेरिका और चीन के द्विपक्षीय संबंध सुधरेंगे, बल्कि वैश्विक बाजारों में भी स्थिरता आएगी और ब्रिक्स देशों जैसे विकासशील देशों की स्थिति पर असर पड़ेगा। कुलमिलाकर यह मुलाकात एशिया-प्रशांत क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

संक्षेप में यदि कहा जाए तो, ट्रंप-जिनपिंग की मुलाकात विश्व के दो प्रमुख शक्तिशाली राष्ट्रों के बीच आर्थिक, कूटनीतिक और क्षेत्रीय स्थिरता हेतु निर्णायक क्षण है, जिसका प्रभाव वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था पर गहरा होगा। ट्रंप-जिनपिंग की मुलाकात के संदर्भ में ताइवान नीति पर संभावित बदलावों के संकेत कुछ मुख्य बिंदुओं से समझे जा सकते हैं:-

पहला, अमेरिका ने हाल ही में ताइवान को लेकर अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भाषा में बदलाव किए,

जिससे चीन नाराज हुआ। अमेरिका का कहना है कि वह ताइवान में शांति और स्थिरता का समर्थन करता है और किसी भी एकतरफा बदलाव का विरोध करता है, लेकिन चीन इसे अमेरिका की गलत नीति मानता है। यह संकेत देता है कि अमेरिका ताइवान के साथ अपने अनौपचारिक संबंधों को जारी रखेगा पर चुनौतीपूर्ण स्थिति बनी रहेगी।

दूसरा, ट्रंप प्रशासन ने अपने सहयोगी देशों से पूछा है कि यदि चीन ताइवान पर हमला करता है तो उनका क्या रुख होगा। इसका मतलब यह है कि अमेरिका संभावित सैन्य संघर्ष की स्थिति के लिए बहुपक्षीय समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है, जो ताइवान के मुद्दे को और अधिक संवेदनशील बना सकता है।

तीसरा, ट्रंप की जिनपिंग से मुलाकात में ताइवान मुद्दे पर बातचीत होने की पुष्टि हुई है, जिसमें ट्रंप ने कहा कि वे ताइवान के लिए सम्मान रखते हैं और इस विषय पर चर्चा करेंगे। यह दर्शाता है कि अमेरिका ताइवान नीति में किसी बड़े बदलाव की संभावना पर विचार कर रहा है, खासकर चीन के साथ तनाव के बीच।

चतुर्थ, भारत ने भी ताइवान पर अपना रुख अभी तक नहीं बदला है। भारत का ताइवान के साथ संबंध मुख्य रूप से आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों में है, और वह 'एक चीन नीति' के तहत इसका सम्मान करता है। भारत इस मामले में संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाए हुए है। इस प्रकार, ताइवान नीति पर संभावित बदलावों के संकेतों में अमेरिका की सशक्त और बहुपक्षीय रणनीति, चीन की सख्त प्रतिक्रिया, और ट्रंप-जिनपिंग वार्ता के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा प्रमुख हैं। यह स्थिति क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शक्ति संतुलन दोनों के लिए संवेदनशील बनी हुई है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि ट्रंप-जिनपिंग की मुलाकात और इसके परिणाम ब्रिक्स देशों और भारत पर कई मायनों में असर डाल सकते हैं। सर्वप्रथम, इस बैठक से व्यापारिक टैरिफ विवादों में राहत मिल सकती है, जिससे ब्रिक्स देशों के आपसी व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिका की टैरिफ नीतियों ने ब्रिक्स देशों, खासकर भारत और ब्राजील को प्रभावित किया है, और इसलिए अगर इन टैरिफ विवादों का समाधान होगा तो ब्रिक्स देशों के आर्थिक सहयोग में मजबूती आएगी।

भारत और ब्राजील अब अमेरिकी व्यापारिक दबावों के खिलाफ नए बाजार खोजने और आपसी व्यापार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, जो 'मेक इन इंडिया' सहित भारत की तकनीकी और औद्योगिक प्रगति में सहायक होगा। इसके अलावा, ब्रिक्स के नेताओं ने अमेरिकी टैरिफ युद्ध और संरक्षणवाद का विरोध किया है, जो विकासशील देशों के व्यापार और वित्तीय एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए एकजुट हैं। भारत इस समूह में अपनी भागीदारी बढ़ाकर वैश्विक दक्षिण के प्रतिनिधित्व, बहुपक्षीयता, और वैश्विक शासन सुधार को आगे बढ़ा रहा है।

हालांकि, ट्रंप की ओर से ब्रिक्स को धमकी भी जारी है कि जो सदस्यता लेगा उस पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जिससे भारत सहित ब्रिक्स देशों को अमेरिकी टैरिफ नीतियों के चाल-चलन पर सतर्क रहना होगा। साथ ही, भारत-अमेरिका संबंधों में कुछ दूरी आई है, लेकिन भारत ब्रिक्स में मजबूत साझेदारी के दायरे में अपने हितों की रक्षा कर रहा है।

संक्षेप में यदि कहा जाए तो ट्रंप-जिनपिंग बैठक से भारत और ब्रिक्स देशों को टैरिफ विवादों में सुधार, आपसी व्यापार बढ़ाने, आर्थिक और राजनीतिक एकजुटता मजबूत करने का मौका मिलेगा, जो वैश्विक आर्थिक व्यवस्था और भारत के 'मेक इन इंडिया' अभियान के लिए सकारात्मक रहेगा। हालांकि, अमेरिका की टैरिफ नीति और कूटनीतिक जटिलताओं के बीच सावधानी भी जरूरी है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि ट्रंप-जिनपिंग बैठक का भारत-चीन व्यापारिक संबंधों पर सकारात्मक असर पड़ने की संभावना है। क्योंकि दोनों देशों के बीच पिछले कुछ समय में तनाव कम हुआ है और सीमा विवाद पर बातचीत ने भी माहौल सुधारा है। भारत व्यापार में चीन से अपने कच्चे माल और अन्य आवश्यक सामग्रियों पर काफी निर्भर है, इसलिए वह टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने पर विचार कर रहा है, जिससे व्यापार सुगम हो सकेगा।

हाल ही में भारत और चीन ने सीमा क्षेत्रों में व्यापार फिर से शुरू करने, सीधी उड़ान सेवाएं बहाल करने और आपसी सहयोग बढ़ाने पर सहमति दी है। इसके अलावा, भारत आर्थिक सुधारों के तहत चीन से आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क को कम करने और व्यापारिक बाधाओं को घटाने के कदम उठा रहा है। यह भारत की औद्योगिक विकास और निर्यात विस्तार के लिए फायदेमंद होगा।

वहीं, चीन ने भारत को रेयर अर्थ मिनरल्स जैसी महत्वपूर्ण सामग्रियां देने की सहमति दी है, जिससे भारत की तकनीकी और रक्षा क्षमताओं को बल मिलेगा, हालांकि कुछ शर्तों के साथ। दोनों देशों की सरकारें व्यापारिक संबंध सुधारने और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए सक्रिय हैं। संक्षेप में यह कहना गलत नहीं होगा कि इस बैठक के बाद भारत-चीन व्यापारिक संबंधों में नरमी आएगी, व्यापार बढ़ेगा, सीमा व्यापार फिर से शुरू होगा और दोनों देशों के बीच आर्थिक भागीदारी मजबूत होगी, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी होगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेजस्वी को पिता का आशीर्वाद, तेज प्रताप को खुद पर भरोसा, कौन बनेगा लालू की विरासत का असली वारिस?

(नीरज कुमार दुबे)

बिहार की राजनीति एक बार फिर उसी मोड़ पर है, जहां सत्ता की जड़ें वंश, विरासत और विद्रोह के ताने-बाने में उलझी हुई हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के दो बेटे– तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव आज एक-दूसरे से अलग राहों पर खड़े हैं, लेकिन दोनों की राजनीति अब भी एक ही राजनीतिक केंद्र की परिक्रमा करती दिखती है। एक ओर राघोपुर है– जिसे लोग 'मुख्यमंत्रियों की धरती' कहते हैं। यही वह सीट है जिसने पहले लालू प्रसाद और फिर राबड़ी देवी को सत्ता के शिखर तक पहुँचाया। अब वहीं से लालू के छोटे पुत्र तेजस्वी यादव तीसरी बार मैदान में हैं और इस बार वह सिर्फ उम्मीदवार नहीं, बल्कि 'मुख्यमंत्री पद' के दावेदार भी हैं। दूसरी ओर है महुआ– जहां कभी बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब वह उसी भूमि पर लौटे हैं, लेकिन इस बार पिता की पार्टी से निष्कासित होकर, एक नई राजनीतिक पहचान के साथ– जनशक्ति जनता दल के मुखिया के रूप में। देखा जाये तो यह चुनाव सिर्फ सीटों का मुकाबला नहीं, बल्कि एक परिवार के भीतर विचारों, अहं और नेतृत्व की टकराहट का भी मंच बन गया है।

राघोपुर की बात करें तो आपको बता दें कि वैशाली जिले का राघोपुर विधानसभा क्षेत्र इस बार बिहार चुनाव का सबसे हाई-प्रोफाइल रणक्षेत्र बन चुका है। यहाँ के 3.4 लाख से अधिक मतदाता जानते हैं कि उनका फैसला राज्य का भविष्य तय कर सकता है। तेजस्वी यादव, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। उनके अभियान का केंद्र है– 'परिवर्तन की राजनीति। रैलियों में वह बार-बार कहते हैं, 'यह चुनाव बिहार को दिशा देने का अवसर है, केवल सरकार बदलने का नहीं। राजद के पारंपरिक यादव वोटों के साथ इस बार वाम दलों और कांग्रेस का भी साथ है। निषाद वोटों में पकड़ रखने वाली वीआईपी पार्टी भी गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन इस गठबंधन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहे हैं भाजपा के सतीश कुमार। वही सतीश कुमार जिन्होंने 2010 में राबड़ी देवी को हराकर इस 'वीआईपी सीट' को झटका दिया था।

सतीश कुमार सवाल उठाते हैं– दो बार उपमुख्यमंत्री रहे तेजस्वी अपने क्षेत्र के लिए एक कॉलेज या अस्पताल तक नहीं दिला सके। अगर स्थानीय विकास नहीं दिखा, तो राज्य के विकास के वादों पर भरोसा कैसे किया जाए? तेजस्वी पर भरोसा करने वाला यादव वर्ग भी इस बार आत्ममंथन की स्थिति में है। एक ओर वह 'अपना लड़का' देख रहे हैं, तो दूसरी ओर बीते दो दशकों की सत्ता-विहीनता की कसक भी महसूस कर रहे हैं।

दूसरी ओर, राघोपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर महुआ में कहानी बिल्कुल अलग लेकिन उतनी ही भावनात्मक है। यही वह सीट है जहाँ 2015 में तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली राजनीतिक जीत दर्ज की थी। अब वह लौटे हैं, लेकिन इस बार बिना राजद के झंडे के। महुआ में एक दिलचस्प कहावत सुनाई देती है– 'घी दाल में ही गिरता है।' मतलब यह कि चाहे तेज प्रताप को वोट दो या राजद को, फायदा अंततः लालू परिवार को ही होगा। यह भावनात्मक रिश्ता अभी भी बिहार के यादव मतदाता के दिल में ज़िंदा है। राजद ने इस सीट पर अपने वफादार मौजूदा विधायक मुकेश रौशन को उम्मीदवार बनाया है। रौशन की सबसे बड़ी चुनौती तेज प्रताप नहीं, बल्कि भावनाएं हैं– जो लालू परिवार की हर शाखा को जोड़ती हैं।

तेज प्रताप का कहना है कि 'राजद में लौटने से अच्छा मौत चुनना है।' लेकिन बिहार के लोग जानते हैं कि इस परिवार के राजनीतिक रिश्ते हमेशा 'तलाकशुदा' नहीं होते। वे तकरार के बीच भी साथ जीने की कला जानते हैं। तेज प्रताप के वादे भी हमेशा की तरह रंगीन हैं– अगर जीत गया, तो महुआ में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाऊँगा, जहाँ भारत-पाकिस्तान मैच होगा। पर ज़मीनी हकीकत कुछ और है– मेडिकल कॉलेज बना, लेकिन दरवाज़े बंद हैं; भवन खड़ा है, मगर बिस्तर नहीं। यही कारण है कि महुआ का मतदाता आज दिल और दिमाग के बीच झूल रहा है।

इसके अलावा, बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव की विचारधारा आज दो दिशाओं में बंटती दिख रही है। तेजस्वी उस विचारधारा को आधुनिक चेहरे में ढालना चाहते हैं और अपने भाषणों में बेरोजगारी, शिक्षा और शासन की नई भाषा के बारे में बात कर रहे हैं वहीं तेज प्रताप उस विचारधारा को भावनात्मक लोकलुभावन रूप में जिंदा रखना चाहते हैं और अपने भाषणों में धर्म, जाति और गौरव के प्रतीकों का जिक्र कर रहे हैं। राघोपुर से तेजस्वी जहाँ लालू का 'विकल्प' बनने की कोशिश में हैं, वहीं महुआ में तेज प्रताप 'विरासत' के बोझ और आशीर्वाद के बीच झूलते दिख रहे हैं। बहरहाल, अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस चुनावी रणभूमि में लालू प्रसाद का आशीर्वाद ज़्यादा असर दिखाता है या लालू प्रसाद का नाम।

इंसानों की लालची प्रवृत्ति का शिकार बन रहे हैं गजराज

देश में हाथियों पर चौतरफा संकट मंडरा रहा है। प्राकृतिक आवास सिकुड़ने से गजराज रौद्र रूप इंसानों से संघर्ष के रूप में सामने आ चुका है। देश में वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कुल 2,869 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। देश में बढ़ती महत्वकांक्षा और लालची प्रवृत्ति ने पर्यावरण के साथी और हिन्दुओं की पूजा के प्रतीक हाथियों को भी नहीं बख्शा है। अन्य वन्यजीवों और वनस्पतियों के तरह अब हाथियों पर भी संकट के बादल मंडराने लगे है। हाथी मेरे साथी के बजाए अब दुश्मन बनता जा रहा है। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) की नई जनगणना के मुताबिक पिछले 8 साल के भीतर देश में हाथियों की संख्या करीब 25त्न तक घट गई है। देश में पहली बार डीएनए के आधार पर हाथियों की गणना में यह खुलासा हुआ है। इस रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे तो हुए ही हैं, साथ ही जनगणना डराने वाली भी है। यह रिपोर्ट बताती है कि शिकार की वजह से नहीं बल्कि जंगलों के कम होने और इंसानों के साथ संघर्ष के चलते हाथियों की संख्या में कमी आ रही है।

(योगेंद्र योगी)

रिपोर्ट के मुताबिक देश में करीब 22,446 हाथी हैं। जबकि 2017 में देश में हाथियों की संख्या 29,964 के करीब थी।हाथियों की गणना करने के लिए पहली बार डीएनए आधारित प्रणाली को अपनाया है, जबकि 1992 में प्रोजेक्ट टाइगर के लॉन्च होने के बाद से ही तस्वीरों और हाथियों की लीद के आधार पर ही इनकी गिनती होती थी। डब्ल्यू आई आई के वैज्ञानिक और रिपोर्ट के मुख्य लेखक कमर कुरैशी के मुताबिक जंगल कट रहे हैं, हाथियों के आवास सिकुड़ रहे हैं और कॉरिडोर का कनेक्शन खत्म हो रहा है। इस वजह से इंसानों और हाथियों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। खासतौर से मध्य भारत और असम में।

इस रिपोर्ट में एक अच्छी बात यह सामने आई कि शिकार के लिए हाथियों को नहीं मारा जा रहा है। लेकिन घर आवासों का सिकुड़ना बड़ी चिंता की बात है। भारत में वेस्टर्न घाट में सबसे ज्यादा हाथी हैं। यहां 11,934 हाथी हैं, जबकि 2017 में 14,587 हाथी हुआ करते थे। पूर्वोत्तर की पहाड़ियों और ब्रह्मपुत्र नदी के तटीय इलाकों में हाथियों की संख्या 10,139 से घटकर 6559 हो गई है। मध्य भारत और ईस्टर्न घाट में 3128 से घटकर 1891 हाथी ही रह गए हैं। हाथियों की मौजूदा सर्वाधिक संख्या कर्नाटक में 6013, असम 4159, तमिलनाडु 3136, केरल 2785, उत्तराखंड 1792 ओर ओडिशा में 912 हाथी मौजूद हैं। झारखंड में जंगली हाथियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है और यह मात्र 217 रह गई है, जोकि 2017 के 678 के आंकड़े

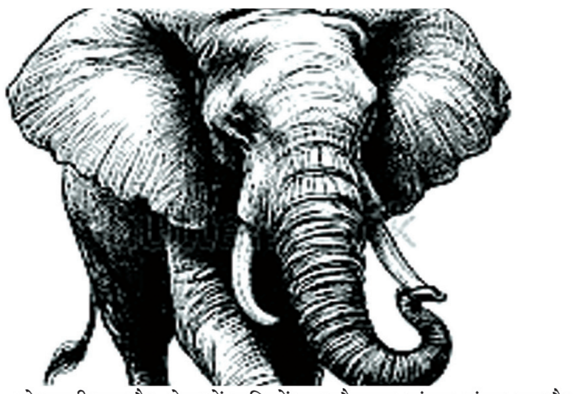

से काफी कम है। देश में हाथियों पर चौतरफा संकट मंडरा रहा है। प्राकृतिक आवास सिकुड़ने से गजराज रौद्र रूप इंसानों से संघर्ष के रूप में सामने आ चुका है। देश में वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कुल 2,869 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार ओडिशा में सबसे अधिक 624, झारखंड में 474, पश्चिम बंगाल में 436, असम में 383 और छत्तीसगढ़ में 303 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। तमिलनाडु और कर्नाटक में क्रमशः 256 और 160 लोगों की मौत हुई। इसके विपरीत, बाघों के हमलों में 2020 से 2024 के बीच कुल 378 लोगों की मौत हुई। इनमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक 218 मौतें, उत्तर प्रदेश में 61 और मध्य प्रदेश में 32 मौतें दर्ज की गई। हर साल करीब 60 हाथियों की भी मौत प्रतिशोध में हो जाती है।

देश की रेल परिवहन व्यवस्था हाथियों के लिए खतरनाक बनी हुई है। पिछले पांच वर्षों में देश भर में रेलगाड़ियों की चपेट में आने से कम से कम 79 हाथियों की जान चली गई। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में खड़गपुर-टाटानगर रेलखंड पर तेज रफ्तार एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से एक हथिनी और उसके बच्चे समेत तीन हाथियों की जान चली गई। 7 हाथियों का एक झुंड रेलवे लाइन पार कर रहा था। इसी दौरान एक ट्रेन आ गई जिससे यह बड़ा हादसा हो गया था। खड़गपुर रेल मंडल में आने वाला यह रूट जंगलों से घिरा है। यहां हाथियों के साथ-साथ अन्य जंगली जानवर भी है। हाथियों सहित अन्य जंगली जानवरों की ट्रेन से कटने की ज्यादातर घटनाएं पहाड़ी और जंगली इलाकों में ही होती है। अवैध शिकार के मामलों में कमी आई है, किन्तु यह अभी भी एक खतरा बना हुआ है। हाथियों की मौत के कुछ मामलों में जहर एक कारण हो सकता है। बिजली के तारों की चपेट में आने से भी हाथियों की मृत्यु होती है। हाथी का महत्व सांस्कृतिक, धार्मिक और पारिस्थितिक दृष्टिकोण से है। यह महत्वपूर्ण प्रजातियों में से एक है जो कई अन्य प्रजातियों को सहारा देती है। हाथी अपनी सूंड से पानी की खुदाई करते हैं, जो अन्य जानवरों को भी पानी उपलब्ध कराता है। आर्थिक रूप से, हाथी पर्यटन को बढ़ावा देते हैं और वास्तु में समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं। हाथियों के मल से विभिन्न प्रकार के पौधों के बीज फैलते हैं, जो सवाना जैसे पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। वे घने जंगलों में रास्ते भी बनाते हैं जो अन्य जानवरों को आने-जाने में मदद करते हैं। विश्व हाथी दिवस पर वाइल्डलाइफ एसओएस ने भारत में सड़कों पर भीख मांगते हाथियों की दुखद स्थिति को उजागर किया। इन विशालकाय प्राणियों को क्रूरता से सड़कों पर घसीटा जाता है। वाइल्डलाइफ एसओएस का बेगिंग एलीफेंट अभियान इन हाथियों को बचाने और इस प्रथा को 2030 तक खत्म करने की दिशा में काम कर रहा है। दुनिया भर में हर साल 16 अप्रैल को हाथी बचाओ दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य हाथियों के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इन शानदार जानवरों की रक्षा के प्रयासों को आगे बढ़ाना है। भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया प्रोजेक्ट एलीफेंट एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य हाथियों के प्राकृतिक आवासों में उनके लंबे समय तक अस्तित्व को सुनिश्चित करना है। इसके बावजूद जंगलों के कटने और हाथियों के प्राकृतिक आवासों पर अतिक्रमण की रोकथाम के बगैर यह विशाल और महत्वपूर्ण जानवर अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष करता रहेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तीन डीएफओ व चार रेंजर बदल गए फिर भी पूर्ण नहीं हुआ पार्क

चार साल बाद भी पूर्ण नहीं हुआ नेचर पार्क, नगर के लोगों को बेसब्री से इंतजार

भानुप्रतापपुर। पूर्व वनमंडल भानुप्रतापपुर के अधिकारी के द्वारा कांकेर मार्ग पर स्थित हरे-भरे सागौन प्लांटेशन के बीच नारंगी क्षेत्र में नगर सौंदर्य प्रोजेक्ट बनाकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। आधे-अधूरे नेचर पार्क बनाकर वन विभाग अधिकारियों द्वारा लाखो रुपये शासकीय राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है, वही सागौन प्लांटेशन को भी क्षति पहुचाते हुए करोड़ों का प्रोजेक्ट्स फेल करने में अधिकारी अपनी ततपरता दिखा रहे है। कुल मिलाकर वन विभाग के अधिकारियों के लिए यहां नेचर पार्क कमाई का जरिया बन गया है यहां पर अधिकारी अलग अलग प्रोजेक्ट्स तैयार कर शासकीय राशि का बंदरबांट कर रहे हैं। गौरतलब हो कि पूर्व वन मंडल भानुप्रतापपुर द्वारा न ही अच्छा सा नेचर पार्क बना पाए और न ही सागौन प्लांटेशन को सुरक्षित रख पाए, केवल सरकारी संपत्ति को गंभीर क्षति पहुँचाने और करोड़ों रुपये के वित्तीय अनियमितता को अंजाम देने का काम किया जा रहा है। बता दे कि अधिकारियों द्वारा सफल सागौन रोपण को जानबूझकर नष्ट कर विफल प्रोजेक्ट्स की आड़ में सरकारी धन हड़पने का काम कर रहे है। वन विभाग द्वारा निर्मित नेचर पार्क में कई प्रोजेक्ट शामिल है। जिनके नाम से लाखों राशि निकाली गई है। लेकिन कार्य कुछ भी नजर नही आ रहा है।

चार साल बाद भी पूरा नहीं हुआ नेचर पार्क : पूर्व वनमंडल भानुप्रतापपुर के द्वारा जैव विविधता को दर्शाने के लिए नेचर पार्क का निर्माण भी कराया जा रहा है, लेकिन वन विभाग के।अधिकारियों की उदासीनता से चार साल बाद भी नेचर पार्क अभी तक पूर्ण नहीं हो पाया है। अब तक तीन डीएफओ व चार वन परिक्षेत्र अधिकारी बदल गए हैं जिन्होंने बारी बारी से नेचर पार्क निर्माण के बहाने सिर्फ राशि डकारने का काम किया है। अगर अधिकारी निर्माण के प्रति गंभीर होते तो अब तक निर्माण कार्य पूर्ण हो गया होता। अब तक इस नेचर निर्माण में वन विभाग द्वारा लाखों रुपए की राशि खर्च किया जा चुका है। वर्तमान रेंजर मोहन नेताम भी थोड़ा मोड़ा कार्य कर अधिक राशि आहरण कर नेचर पार्क निर्माण के राशि को डकारने में लगे हुए हैं।

नेचर पार्क पूर्ण होने का लोगों को कब से है बेसब्री से इंतजार - वन भूमि पर लगातार बढ़ते अतिक्रमण को देखते हुए वन विभाग द्वारा यहाँ लाखों की लागत लगाकर नेचर पार्क बनाया जा रहा है, जिसका लाभ नगर के आम जन को मिलेगा। आगामी दिनों में भानुप्रतापपुर जिला बनने की राह पर है इसलिए यहाँ ऐसा कुछ आकर्षक का केंद्र होना भी चाहिए। वन मंडल कार्यालय के सामने ही लगभग 10 एकड़ भूमि को इस पार्क के लिए चुना गया है। जहाँ सेंट्रल पार्क जिसमे अलग-अलग प्रजाति के पौधे जैसे फूल, पाम, बेला आदि लगाए जाएंगे, ओपन जिम, सिटिंग एरिया, जॉगिंग एरिया, पाथवे, एक वॉच टावर, चिन्ड्रन्स प्ले ग्राउंड, योग एरिया, बटर फ्लाई जॉन, एक तालाब जिसमें जलीय जैव विविधता को दर्शाया जाएगा। वहीं पूरे पार्क के किनारे बांस की अलग-अलग 22 प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे साथ ही लोगों के बैठने के लिए कुर्सी, बेंच व टॉयलेट आदि की व्यवस्था भी होगी।

।। मुख्य रूप से इस पार्क में जैव विविधता को दर्शाया जाएगा, जिसके लिए फारेस्ट बाथिंग कंसेप्ट के तहत इसका निर्माण किया जा रहा है। लेकिन वन विभाग नेचर पार्क में रुचि नहीं दिखा रहे हैं निर्माण कार्य ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। पार्क को पूर्ण कर शुभारंभ करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

झिटकाटोला में कलवर माइंस प्रबंधन के खिलाफ ग्रामीणों का 12वें दिन भी धरना जारी

भानुप्रतापपुर। ग्राम झिटकाटोला में स्थानीय ग्रामीणों का 12वें दिन भी कलवर माइंस प्रबंधन के खिलाफ धरना-प्रदर्शन जारी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षो से माइंस संचालन के दौरान क्षेत्र के जल, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों का भारी उपयोग किया गया, लेकिन गाँव के विकास, आधारभूत सुविधाओं और स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रबंधन द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की गई हैं, ग्रामीणों ने बताया कि माइंस से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से होने वाले परिवहन, विस्फोट, धूल और शोर का असर सबसे अधिक स्थानीय पर्यावरण और ग्रामीणों के स्वास्थ्य व जीवन पर हो रहा है। इसके बावजूद न तो माइंस प्रबंधन और न ही प्रशासन ने सड़क, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा या अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं उपलब्ध करा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि सीएसआर मद के तहत गाँव को मिलने वाले सुविधाओं को लगातार अनदेखी की जा रही हैं। वहीं स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की बात वर्षो से केवल कागज़ों और वादों में ही सीमित रह गई। धरना स्थल पर ग्रामीणों ने कहा कि हम अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं, किसी से भीख नहीं। जब हमारी भूमि, हमारे जंगल और हमारी मेहनत का इस्तेमाल किया गया है, तो गाँव के विकास और रोजगार की जिम्मेदारी भी माइंस प्रबंधन की बनती है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पिछले 12 दिनों के आंदोलन में न तो बीएसपी प्रबंधन, न कंपनी प्रतिनिधि, और न प्रशासनिक अधिकारी किसी प्रकार की बातचीत या समाधान लेकर आगे आए। इस कारण आक्रोश बढ़ता जा रहा है। धरना में उपस्थित ग्रामवासीः लच्छूराम ध्रुव, रूपसिंह जैन, सनेसिंग उसेंडी, शिवलाल सलाम, शत्रुघन दुग्गा, शकुंतला ताराम, कुमेश नेताम, बरातू भोयार, कमलेश जैन, फुलकुंवर टांडिया, नवल ताराम सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन और माइंस प्रबंधन तत्काल खुली बैठक आयोजित कर रोजगार और विकास कार्यों पर लिखित समझौता नहीं करता है, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

शासकीय राशि का दुरुपयोग करने वाले डीएफओ पर कब होगी जांच एवं कार्यवाही

भानुप्रतापपुर। नए आये पूर्व वन मंडलाधिकारी ऋषभ जैन आईएफएस अपने चेंबर और निवास की साजसज्जा में लगे हुए, आपको बता दे कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व डीएफओ चेंबर में आग लगने के वजह से लाखों रुपए खर्च कर बनाया गया था, परंतु नए डीएफओ ऋषभ जैन के आते ही फिर से अपने चेंबर का जीर्णोद्धार कर उच्च क्वालिटी की फर्निचर व पेंट पुट्टी की जा रही है, शौकिया डीएफओ अपने चेंबर को सजाने में शासकीय राशि फूंकने में व्यस्त है, तो वहीं डीएफओ निवास के मॉड्यूलर किचन से लेकर स्मार्ट बेडरूम तक उच्च गुणवत्ता की महंगी वस्तुएं लगाए जा रहे हैं, इसमें भी लाखों रुपए की राशि खर्च की जा रही है। जिसकी खबर प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था जिसको संज्ञान में लेते हुए मुख्य वन सरंक्षक कांकेर राजेश चंदेले ने पत्र जारी करते हुए कोंडागांव डीएफओ को शिकायतकर्ता के उपस्थित में स्वंम जाकर 15 दिवस के भीतर जांच कर कार्यालय को प्रस्तुत करें कहा गया था। लेकिन 15 दिवस बीत जाने के बाद भी अभी तक जांच शुरू नहीं किया गया है। आपको बात दे शासकीय क्वाटर में निवासरत वन विभाग के छोटे कर्मचारी बारिश के दिनों में अपने शासकीय घर में छत से पानी टपकने से परेशान रहते है, पॉलीथिन के भरोसे उनका जीवन चलता रहा है तो वहीं बड़े शौकीन अधिकारी किस तरह शासकीय राशि का दुरूपयोग करते है, इसका जीता जगता उदाहरण आपके सामने है, वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा भवन मरम्मत के लिए कई बार आवेदन दिया गया लेकिन आज पर्यन्त तक भवन की मरम्मत नही हो पाई है। बड़े साहब अपनी शान-ओ-शौकत के लिए सभी नियम कायदे को दर किनार करते हुए मनचाहे ढंग से अपने बंगले व कार्यालय को रेनोवेट करवा लेते हैं जबकि निचले स्तर के कर्मचारियों के लिए बजट आभाव का बाहना बना लिया जाता हैं।

पैतृक जमीन की लूट पर कांग्रेस का बड़ा आरोप

विस्थापित हुए पांच परिवारों की 109 एकड़ पैतृक भूमि पर उद्योगपति का कब्जा

बीजापुर। सलवा जुडुम के दौरान विस्थापितों की पैतृक जमीनें अब उद्योगपतियों की लालच का शिकार बन रहे हैं। बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने जिला मुख्यालय बीजापुर में आयोजित प्रेस वार्ता में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भैरमगढ़ राहत शिविरों में रह रहे पांच ग्रामीणों की कुल 109 एकड़ पैतृक भूमि को रायपुर निवासी उद्योगपति महेन्द्र गोयनका ने भूस्वामियों को बहला-फुसलाकर खरीद लिया, जबकि भूस्वामियों को इसकी कोई जानकारी तक नहीं थी। विधायक ने इसे सुनियोजित धोखाधड़ी करार देते हुए उच्च स्तरीय जांच करने और जमीनों की तत्काल वापसी की मांग डबल इंजन की सरकार से की है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार बने दो वर्ष होने को है तब से लगातार हम इस बात को कहते रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी के संरक्षण में बस्तर के जल, जंगल और जमीनों को लूटने का काम हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी के संरक्षण उद्योगपतियों की नजर बस्तर के बहुमूल्य खनिज संसाधनों और बस्तर के जल, जंगल और जमीनों पर है, वर्तमान में इन सभी बातों को लेकर बस्तर की जनता और हम सब चिंतित हैं। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि अबूझमाड़ क्षेत्र से सटे बीजापुर जिले के ग्राम धर्मा, बैल, छोटेपल्ली और मरकापाल के निवासी सलवा जुडुम के दौरान अपने घर-गांव छोड़कर भैरमगढ़ राहत शिविरों में आकर रह रहे थे। इंद्रावती नदी के उस पार बसे इन गांवों की पैतृक जमीनें ही इनकी आजीविका का एकमात्र आधार थीं। लेकिन शिविरों में रहते हुए इन ग्रामीणों को यह भी पता नहीं चला कि उनकी बेशकीमती उपजाऊ भूमि को चोरी-छिपे बेच दिया गया। विक्रम मंडावी ने आगे कहा जब भूस्वामियों को इसकी जानकारी मिली तो वे पूछताछ करने लगे तो पता चला कि रायपुर का उद्योगपति महेन्द्र गोयनका ने भूस्वामियों को बहला-फुसलाकर अपनी बातों में फंसाया और सारी जमीन खरीद ली। इनसे न कोई सहमति ली गई और ना ही किसी ने कोई जानकारी दी इन्हें धोखे में रखकर ग्रामीणों की जमीनों की ख़रीदी बिक्री की गई। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में प्रभावित भूस्वामियों के नाम और उनकी जमीन का पूरा ब्यौरा दिया जो इस प्रकार है- चेतन नाग पिता संपत नाग ग्राम- धर्मा कुल भूमि- 12 एकड़, घस्सू राम पिता लक्षिन्दर ग्राम- बैल कुल भूमि- 29 एकड़, पीला राम, पिता गेटू- ग्राम- बैल कुल भूमि- 18 एकड़, लेदरी सेठिया ग्राम- छोटेपली कुल भूमि- 40 एकड़ और बीरबल पिता बेदे ग्राम-मरकापाल, कुल भूमि-10 एकड़ इस तरह कुल 109 एकड़ भूमि है। मंडावी ने आरोप लगाते हुए आगे कहा, ये सभी ग्रामीण अशिक्षित हैं।

इन्हें न कानून की जानकारी है, न दस्तावेजों की समझ। कोई भी व्यक्ति अपनी जीवन भर की पूंजी को एक झटके में नहीं बेचता। पारिवारिक जरूरतों के लिए थोड़ी जमीन बेची जा सकती है, लेकिन पूरी पैतृक संपत्ति का सौदा यह असंभव है, यह स्पष्ट धोखाधड़ी है। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि इंद्रावती नदी पर पुल बनने से अबूझमाड़ क्षेत्र से लगे इन गांवों का जन-जीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। ये ग्रामीण अपने मूल गांवों में लौटना चाहते हैं। लेकिन जब वे लौटने की तैयारी कर रहे थे, तभी उन्हें पता चला कि उनकी जमीनें किसी और की हो चुकी हैं। विक्रम मंडावी ने कहा पुल बनने से रास्ता खुला, लेकिन घर लौटने का सपना टूट गया। यह सिर्फ जमीन का सौदा नहीं, जिले के मूल निवासियों के अस्मिता पर हमला है। प्रेसवर्ता में विधायक विक्रम मंडावी ने यह भी कहा कि बीजापुर जिले में ऐसे कई और मामले सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ पांच परिवारों की बात नहीं पूरे क्षेत्र में चोरी-छिपे जमीनों की खरीद-फरोख्त हो रही है। विक्रम मंडावी ने आगे कहा कांग्रेस पार्टी आने वाले दिनों में इस मुद्दे को लेकर जनआंदोलन करेगी साथ ही उन्होंने इन मामले की उच्च स्तरीय जांच करने की मांग सरकार से की है।

प्रेस वार्ता के माध्यम से उन्होंने सरकार के समक्ष चार मांगे रखी हैं, जिनमें प्रमुख रूप से

जमीनों की खरीद और बिक्री की उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन करने प्रभावित परिवारों को जमीनों की तत्काल वापसी करने। धोखाधड़ी में शामिल लोगों पर कार्रवाई करने और आदिवासी क्षेत्रों में भूमि हस्तांतरण पर सख्त निगरानी रखने जैसे मांगे प्रमुख रूप से शामिल हैं। प्रेसवर्ता के दौरान पीड़ित परिवार और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, जिला पंचायत सदस्या नीना रावतिया उद्दे, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी, पीसीसी सदस्य ज्योति कुमार, जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम, जनपद उपाध्यक्ष दिनेश पुजारी, मीडिया प्रभारी राजेश जैन, जनपद सदस्य मनोज अवलम, पार्षद बबिता झाड़ी,शहर अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर पुरुषोत्तम खत्री, कांग्रेसी वेणु गोपाल राव, कांग्रेसी प्रवीण डोंगरे, पुरुषोत्तम सल्लूर, बोधि ताती, ब्लाक अध्यक्ष रमेश यालम, अरुण वसम, युवा कांग्रेस एजाज खान, बसंत हपका, सुनील उद्दे, कलाम खान, विजय पाल शाह और लक्ष्मण कड़ती सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोंडागांव में राष्ट्रीय एकता दिवस पर शहीद जवानों की स्मृति में पौधारोपण, एसपी पंकज चंद्रा हुए कार्यक्रम में शामिल

कोण्डागांव। राष्ट्रीय एकता दिवस 2025 के अवसर पर दोपहर 12 बजे एका मरम कार्यक्रम के तहत शहीद जवानों की स्मृति में पुलिस विश्रामगृह परिसर में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आईजी पी. सुंदरराज और कोंडागांव पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शहीद परिवारों के साथ सभी अधिकारियों ने पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष कुलवंत सिंह चहल, एसडीएम अजय उरांव, एएसपी रूपेश कुमार डांडे, तहसीलदार मनोज रावटे सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, जवान और शहीदों के परिजन शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य शहीदों की अमर याद को नमन करते हुए समाज में पर्यावरण संरक्षण और एकता का संदेश देना रहा।

जल-जंगल-जमीन और आदिवासी परंपराओं पर आधारित छत्तीसगढ़ी फिल्म दण्डाकोटुम की शूटिंग प्रारंभ

भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति, पेन-पुरखा परंपरा और जल-जंगल-जमीन के जीवंत संबंध को चित्रित करने वाली ऐतिहासिक फिल्म दण्डाकोटुम की शूटिंग बस्तर के दुर्गम वनांचल क्षेत्रों में प्रारंभ हुई। यह फिल्म जोहार फिल्म्स प्रोडक्शन एवं कोया फिल्म प्रोडक्शन के संयुक्त बैनर तले बनाई जा रही है। फिल्म के निर्माता तिरु. रमेशचंद्र श्याम एवं निर्देशक तिरु. अमलेश नागेश हैं। फिल्म की कथा आदिवासी समाज के उस मूल दर्शन को सामने लाती है, जिसमें मानव और प्रकृति का संबंध पूजा, भरोसा और सह-अस्तित्व पर आधारित है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि आदिवासी समाज के पेन-पुरखा और बुढ़ादेव किस रूप में प्रकृति के तत्वों में विद्यमान माने जाते हैं, तथा जंगल केवल आजीविका का साधन नहीं बल्कि आस्था, पहचान और सांस्कृतिक धरोहर है। फिल्म के शुभारंभ अवसर पर छत्तीसगढ़ी फिल्म जगत के कलाकारों के साथ पद्मश्री तिरु. पंडीराम मंडावी एवं आदिवासी इतिहास व संस्कृति के सुप्रसिद्ध जानकार दादा शेर सिंह आचला उपस्थित रहे। स्थानीय ग्रामीणों ने भी पारंपरिक नृत्य और वाद्य ध्वनियों के साथ टीम का स्वागत किया। शूटिंग शुरू होने के पश्चात फिल्म टीम दमकसा स्थित दादा शेर सिंह आचला के आश्रम जंगो रायतार विद्या केतुल शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान पहुँची। यह संस्थान 1992 से संचालित है और यहाँ संग्रहालय, ग्रंथालय, शोध कक्ष, पारंपरिक कला संग्रह, आवासीय व्यवस्था और धरोहर संरक्षण की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ गोंडी संस्कृति, शिल्प, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राचीन सभ्यता से जुड़े दुर्लभ दस्तावेज़ एवं सामग्री संरक्षित है। दादा शेर सिंह आचला ने बताया कि उन्होंने अबूझमाड़ के वन, जीवन और पेन-परंपरा पर विस्तृत अध्ययन किया है। और इसी विषय पर कहानी भी लिखी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में अबूझमाड़ विषयक छत्तीसगढ़ी फिल्म भी बनाई जा सकती है, जिसका प्रमुख किरदार अमलेश नागेश निभा सकते हैं।

एकता दौड़ का आयोजन

कोण्डागांव। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर को पूरे देश में एकता दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में कोंडागांव जिला मुख्यालय में भी भव्य एकता दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। जनसामान्य में राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित यह दौड़ प्रातः 7:30 बजे विकासनगर स्टेडियम से प्रारंभ होकर जिला कोर्ट परिसर, नेशनल हाइवे, जयस्तंभ चौक, बाजार पारा होते हुए पुनः विकासनगर स्टेडियम में समाप्त होगी।

इस अवसर पर जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारी, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी तथा गणमान्य नागरिकों से इस दौड़ में उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है।

उद्यमिता जागरूकता शिविर आज से 07 नवंबर तक

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वर्ष 2025-26 को रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राज्य के अब तक की औद्योगिक विकास की उपलब्धि से आम जन को अवगत कराने तथा इस विकास में युवा, महिला सहित समस्त नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु विभागीय नीतियों, योजनाओं, कार्यकलापों के प्रचार-प्रसार हेतु जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कोण्डागांव द्वारा जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर उद्यमिता जागरूकता शिविर 31 अक्टूबर से 07 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। इस उद्यमिता जागरूकता शिविर 31 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष कोण्डागांव में, 03 नवम्बर को जनपद पंचायत सभा कक्ष केशकाल में एवं 07 नवम्बर को जनपद पंचायत, सभा कक्ष फरसगांव में शिविर आयोजित किया जा रहा है।

थाना तर्रेम क्षेत्रान्तर्गत ग्राम गोटुमपल्ली के जंगलों में माओवादियों द्वारा निर्मित स्मारक को सुरक्षा बलों ने किया ध्वस्त

बीजापुर। माओवादियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सतत् अभियान के तहत् थाना तर्रेम क्षेत्र के ग्राम गोटुमपल्ली के सघन जंगलों में पुलिस बल को माओवादियों द्वारा निर्मित लगभग 15 फीट ऊँचा स्मारक मिला, जिसे सुरक्षा बलों द्वारा तत्काल ध्वस्त कर दिया गया। यह स्मारक माओवादियों द्वारा अपने संगठन के मारे गए सदस्यों की याद में ग्रामीणों पर दबाव डालकर बनाया गया था, जिसका उपयोग वे ग्रामीणों में भय का वातावरण बनाए रखने एवं अपने संगठन के प्रचार के लिए करते थे। डीआरजी, थाना तर्रेम, केरिपु-153 एवं केरिपु-168 की संयुक्त टीम ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में अत्यंत सतर्कता एवं साहस के साथ इस अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस कार्यवाही से क्षेत्र में माओवादियों के मनोबल पर गहरा प्रभाव पड़ा है तथा ग्रामीणों में सुरक्षा बलों के प्रति विश्वास एवं सुरक्षा की भावना और अधिक सुदृढ़ हुई है। पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा माओवादियों के विरुद्ध ऐसे प्रभावी अभियान लगातार जारी हैं और आगे भी इस प्रकार की कार्यवाही निर्बाध रूप से जारी रहेगी।

शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बीसीए के छात्र परमिन और अंशु का टेबल टेनिस के लिए चयन

कोण्डागांव। शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव के बीसीए के छात्र परमिन चंद नाग और अंशु तिवारी का चयन छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता हेतु हुआ है। दोनों छात्र उत्तर बस्तर सेक्टर की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह चयन 28 अक्टूबर 2025 को शासकीय इंदरु केवट कन्या महाविद्यालय कांकेर (जिला उत्तर बस्तर कांकेर) में आयोजित सेक्टर स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। सेक्टर प्रतियोगिता में परमिन प्रथम एवं अंशु पंचम स्थान प्राप्त किया। आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 3 से 4 नवम्बर 2025 तक शासकीय जे योगानंद छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर में होगा, जिसमें कुल 11 सेक्टरों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता पूर्व खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण हेतु 1 से 2 नवम्बर 2025 तक शासकीय इंदरु केवट कन्या महाविद्यालय, कांकेर में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं पर सख्त हुई महिला आयोग सदस्य दीपिका शोरी

सुकमा। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने सुकमा जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर सरोज कुंवर के विरुद्ध आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा की गई शिकायतों पर गंभीर संज्ञान लेते हुए, गुरुवार को स्वयं जिला कार्यक्रम अधिकारी शिवदास नेताम के कार्यालय पहुंचकर सख्त लहजे में जांच एवं कार्यवाही के निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं मौजूद रहीं, जिन्होंने आयोग सदस्य को अपनी पीड़ा और विभागीय उत्पीड़न से जुड़ी घटनाएं बताई। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सुपरवाइजर सरोज कुंवर द्वारा दोरनापाल और डुब्बाटोटा सेक्टर की कई कार्यकर्ताओं से दुर्व्यवहार, अपमानजनक भाषा का प्रयोग, मानसिक दबाव एवं धमकी जैसे गंभीर कृत्य किए गए हैं। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उक्त व्यवहार से विभागीय वातावरण दूषित हो गया है, जिससे कई कार्यकर्ता मानसिक रूप से परेशान हैं। एक कार्यकर्ता ने इस्तीफा दे दिया, एक ने आत्महत्या का प्रयास किया तथा एक अन्य कार्यकर्ता मुन्नी की हृदयाघात से मृत्यु हो गई। कार्यकर्ताओं का कहना था कि इन घटनाओं के बावजूद अब तक न तो विभागीय स्तर पर कोई ठोस जांच हुई और न ही जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। दीपिका शोरी ने इस पर गंभीर नाराज़गी जताते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी से कहा कि जब इतने गंभीर आरोपों की शिकायतें 10 दिन से अधिक पहले दी जा चुकी हैं, तो अब तक जांच और कार्रवाई में विलंब क्यों? महिला कर्मियों की गरिमा और सुरक्षा से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर 7 दिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए और जांच प्रतिवेदन की प्रति राज्य महिला आयोग को भी भेजी जाए। महिला आयोग सदस्य ने यह भी कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और समान अवसरों के लिए प्रतिबद्ध है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समाज की सबसे बुनियादी इकाई हैं जो मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और जनजागरूकता जैसे महत्वपूर्ण दायित्व निभाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

संभागायुक्त श्री सुनील जैन ने बीएलओ को दिए निर्देश - निर्वाचन कार्य में बरतें पूर्ण गंभीरता और पारदर्शिता

बिलासपुर। निर्वाचन कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बेलतरा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 31 के अंतर्गत 257 मतदान केंद्रों के बीएलओ और सुपरवाइजरों के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी प्रशिक्षण का आयोजन प्रार्थना सभा भवन में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संभागायुक्त सुनील जैन एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने उपस्थित बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संभागायुक्त सुनील जैन ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कार्य को गंभीरता, निष्ठा और पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपादित करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव है, अतः प्रत्येक बीएलओ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करें। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने कहा कि बीएलओ घर-घर जाकर गणना पत्रक भरें और समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें।

एकता दिवस पर शासकीय कार्यालयों में राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए दिलाई गई शपथ

गौरेला पेंड्रा मरवाही। भारत के लौह पुरूष एवं देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आज राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय, जिला निर्वाचन कार्यालय, संयुक्त कार्यालय भवन, जिला एवं जनपद पंचायतों सहित विभिन्न कार्यालयों में राष्ट्रीय एकता शपथ का आयोजन किया गया, जहां कार्यालय प्रमुखों द्वारा राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई गई। एकता दिवस पर अधिकारियों-कर्मचारियों ने अपना दांया हाथ आगे बढ़ाकर शपथ लिया कि ''मैं सत्य निष्ठा से शपथ लेता हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूं, जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्य निष्ठा से संकल्प करता हूं।''

राष्ट्रीय एकता दिवस पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल ने रेल कर्मियों को दिलाई शपथ

बिलासपुर। भारतवर्ष में लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रुप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय एकता दिवस पर आज 31 अक्टूबर 2025 को प्रातः 11 बजे मंड़ल रेल प्रबंधक कार्यालय प्रांगण में शपथ समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के दौरान रेल कर्मियों ने देश की एकता और अखंडता को मजबूती देने, सरदार पटेल की दूरदर्शिता और आदर्शों का अनुसरण करने तथा देश की आंतरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के प्रति अपने कर्तव्यों को निष्ठापूर्वक निभाने का संकल्प लिया। समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे एस मीना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और मंडल के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

माह अक्टूबर में सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 16 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत् 16 रेल परिवार के सदस्य माह अक्टूबर 2025 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मंडल कार्मिक सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई । इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी श्री रंजन कुमार द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज, सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) श्री सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, मंडल कल्याण निरीक्षक एवं कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

एक भारत,श्रेष्ठ भारत : रन फॉर यूनिटी-राष्ट्रीय एकता दिवस 2025

एकता और अखंडता का संदेश देने जिला जीपीएम के सभी थानों में आयोजित हुआ रन फॉर यूनिटी

गौरेला, पेंड्रा, मरवाही। सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आज थाना परिसर गौरेला में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक श्री एस. आर. भगत द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैंकरा, नगर पालिका परिषद गौरेला अध्यक्ष श्री मुकेश दुबे, एवं वरिष्ठ नागरिक प्रतिनिधि श्री बृजलाल राठौर उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अमित बेक, एसडीएम विक्रांत कुमार अंचल, डिप्टी कलेक्टर आकांक्षा पांडे, जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) अमित सिन्हा, जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी, खेल अधिकारी सीमा डेविड सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मिलित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक श्री एस. आर. भगत, श्री बृजलाल राठौर, श्री मुकेश दुबे, सुश्री समीरा पैंकरा और जिला कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने अपने उद्बोधनों में देश की एकता, अखंडता तथा सरदार पटेल जी के योगदान का उल्लेख करते हुए नागरिकों को राष्ट्रीय एकता की भावना के प्रति प्रेरित किया। इसके उपरांत जिला कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी द्वारा सभी उपस्थित नागरिकों,

अधिकारियों, पुलिसकर्मियों एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। एक भारत, श्रेष्ठ भारत और राष्ट्र की एकता ङ्क हमारी शक्ति जैसे गगनभेदी नारों के साथ लगभग 850 प्रतिभागियों — जिनमें पुलिस एवं होमगार्ड जवानों के साथ बड़ी संख्या में विद्यालयीन छात्र-छात्राएं भी सम्मिलित थे — ने थाना परिसर गौरेला से रेलवे स्टेशन तक जोश और उत्साह के साथ दौड़ लगाई। रन के समापन पर प्रतिभागियों ने ड्रोन व्यू हेतु स्पाइरल आकार में खड़े होकर एकता के नारे लगाए, जिससे कार्यक्रम का दृश्य अत्यंत प्रेरणादायी बना। तत्पश्चात पूर्व दिवस आयोजित विद्यालयीन निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों के जलपान के साथ हुआ। इस अवसर पर आयोजन की सफलता में डीएसपी निकिता तिवारी मिश्रा, डीएसपी दीपक मिश्रा एवं एसडीओपी गौरेला श्याम सिदार का मार्गदर्शन उल्लेखनीय रहा। थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ सिंह, थाना गौरेला पुलिस स्टाफएवं साइबर टीम का सहयोग सराहनीय रहा। इसी क्रम में थाना पेंड्रा परिसर से पेंड्रा बस्ती तक रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन उप निरीक्षक रणछोड़ सिंह सेंगर के नेतृत्व में किया गया।

एनटीपीसी सीपत में राष्ट्रीय एकता दिवस पर एकता दौड़ का आयोजन

बिलासपुर। एनटीपीसी सीपत में 31 अक्टूबर 2025 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एकता दिवस शपथ, सतर्कता जागरूकता शपथ एवं एकता दौड़ का आयोजन किया गया। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक (सीपत) एवं परियोजना प्रमुख विजय कृष्ण पाण्डेय ने सर्वप्रथम सभी प्रतिभागियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता, सत्य एवं निष्ठा के लिए एकता दिवस एवं सतर्कता जागरूकता की शपथ दिलाई, जिसके पश्चात् एकता दौड़ का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, सामूहिकता और एकजुटता का संदेश दिया गया।

कार्यकारी निदेशक विजय कृष्ण पाण्डेय ने अपने संबोधन में सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक के साथ मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारीगण एवं स्पोर्ट्स काउंसिल के सदस्य उपस्थित रहे। संगवारी महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती साधना पाण्डेय एवं सदस्याओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन में ऊर्जा का संचार किया। इसके अतिरिक्त, सीआईएसएफ के अधिकारियों व जवानों, बाल भारती स्कूल के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भी एकता दौड़ में भाग लेकर देश की अखंडता और एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। कार्यक्रम के समापन पर कार्यकारी निदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विजेताओं को पदक और स्मृति भेंट प्रदान किए तथा सभी प्रतिभागियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और समरसता बनाए रखने का संदेश दिया।

सरयूपारिण ब्राह्मण सभा ने श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई आंवला पूजा

बिलासपुर। रतनपुर छत्तीसगढ़ सरयूपारिण ब्राह्मण सभा द्वारा अक्षय नवमी के अवसर पर आंवला पूजन किया गया रतनपुर, छत्तीसगढ़ सरयूपारिण ब्राह्मण सभा द्वारा अक्षय नवमी के अवसर पर श्री गिरजा बन हनुमान मंदिर में आंवला पूजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य पंडित अश्वनी दुबे द्वारा आंवला पूजन से किया गया जिसमें मुख्य यजमान श्रीमती शोभा दीपक दुबे व राकेश दुबे सपत्नीक रहे। मान्यता है कि, इस दिन पूजा-व्रत करने और दान देने से जीवन में सौभाग्य, सुख-समृद्धि और सेहत मिलती है। कहा जाता है कि, आंवला वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन करने से अक्षय पुण्य प्राप्त होता है, और आंवले का सेवन अमृत के समान माना जाता है। पूजन के पश्चात सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया गया तथा

आंवला नवमी की कथा को आचार्य पंडित अश्वनी दुबे व महंत तारकेश्वर पुरी जी महाराज के द्वारा सुनाया गया अंत में महा आरती के पश्चात महंत तारकेश्वर पुरी जी महाराज के करकमलो ब्राह्मण सभा, महिला प्रभाग व युवा प्रभाग के पदाधिकारी का सम्मान किया गया तत्पश्चात भोजन प्रसाद वितरण के साथ ही कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष बलराम पांडे, अश्वनी दुबे, राजेंद्र मिश्रा, रविंद्र दुबे, दिनेश पांडे, राजेश शर्मा, ओमप्रकाश दुबे, संतोष शर्मा ,राजेंद्र दुबे, शेष देव मिश्रा ,डॉ सुरेश चंद्र शर्मा, नीलू पांडे, लक्ष्मी पांडे, प्रीति शर्मा, रश्मि शर्मा, अंजली मिश्रा, वंदनी मिश्रा, रानी पांडे, वंदना दुबे ,रेनू तिवारी, शांता तिवारी, पूनम जोशी, अर्चना दुबे, रजनी दुबे, रजनी शर्मा, जयंती मिश्रा, सीमा शर्मा, राजेश्वरी दुबे के अलावा ब्राह्मण सभा के सदस्य तथा बिलासपुर व खारंग क्षेत्र से आए हुए ब्राह्मण सभा के सदस्य उपस्थित रहे ।

जिला स्तरीय राज्योत्सव का केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू करेंगे शुभारंभ-2 से 4 नवम्बर तक होगा भव्य आयोजन

■ दिखेगी 25 वर्षों के विकास की झलक, स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बिखरेगी छटा

बिलासपुर।छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर जिला स्तरीय राज्योत्सव का भव्य आयोजन पुलिस परेड मैदान में 2 नवम्बर से 4 नवम्बर 2025 तक किया जाएगा। राज्योत्सव के पहले दिन केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री अरूण साव करेंगे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधायक सर्वश्री धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, दिलीप लहरिया, अटल श्रीवास्तव, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, नगर निगम के सभापति विनोद सोनी शामिल होंगे। जिला स्तर पर राज्योत्सव का आयोजन इस बार तीन दिवस का होगा। स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभागीय प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी। विभागीय प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के 25 सालों की विकास यात्रा को दिखाया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कार्यक्रम के बेहतर एवं सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को विभागवार जिम्मेदारियां भी सौंपी है। कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों की सुविधा एवं समन्वय के लिए कलेक्टर ने लाईजनिंग ऑफिसर नियुक्त किये है। कार्यक्रम के पहले दिन 2 नवम्बर को शाम 5 बजे से साढ़े 6 बजे तक स्कूली छात्र-छात्राओं का कार्यक्रम होगा। इसके बाद 6.30 बजे से 7.30 बजे तक लोक मंच हिलेन्द्र ठाकुर की प्रस्तुति, रात 7.30 बजे से 8 बजे तक आंचल पाण्डेय का कत्थक नृत्य, 8 से 9 बजे तक जीजीयू का उमंग बैण्ड की प्रस्तुति, 9 बजे से 9.45 बजे तक बालमुकुंद पटेल का भरथरी गायन एवं रेखा देवार का छत्तीसगढ़ी गायन तथा रात्रि 9.45 बजे से 11 बजे तक इण्डियन रोलर बैण्ड की प्रस्तुति के साथ ही पहले दिन का कार्यक्रम संपन्न होगा। दूसरे दिन 3 नवम्बर को शाम 5 से 6.30 बजे तक स्कूली बच्चों का कार्यक्रम, 6.30 बजे से 7 बजे तक दिनेश गुप्ता का पण्डवानी गायन, शाम 7 से 7.30 बजे तक अनिल गढ़ेवाल का गेड़ी नृत्य, रात 7.30 से 8.30 बजे तक तनिष्क वर्मा का गायन, साढ़े 8 बजे से साढ़े 9 बजे तक बासन्ती वैष्णव का कत्थक नृत्य और रात्रि 9.30 बजे से 11 बजे तक ऐश्वर्या पण्डित बॉलीबुड का गायन होगा। तीसरे और अंतिम दिन 4 नवम्बर को स्कूली बच्चों के कार्यक्रम के बाद साढ़े 6 से 7.15 बजे तक गीतिका चक्रधर का कत्थक नृत्य, शाम सवा 7 से 8 बजे तक विधि सेनगुप्ता का ओडिसी नृत्य, रात्रि 8 से साढ़े 8 बजे तक पंचूराम का बांस गीत, रात्रि साढ़े 8 से 9.30 बजे तक प्रभंजय चतुर्वेदी का गजल एवं भजन गायन तथा रात्रि साढ़े 9 बजे से अनुज शर्मा ग्रुप का छत्तीसगढ़ी कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जायेगी।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय, बिलासपुर में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने अधिकारियों, कर्मचारियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

बिलासपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती ''राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ का आयोजन किया गया । प्रातः 11 बजे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय प्रांगण में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई । स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात पूरे भारत वर्ष के एकीकरण में लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान अतुलनीय है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् एक नये राष्ट्र का जन्म हुआ था, जिसे अपनी एकता और सुरक्षा की चुनौती को अद्भुत कौशल के साथ, सरदार वल्लभभाई पटेल ने पूरे दृढ़ निश्चय के साथ क्रियान्वित किया एवं एकीकृत भारत के नव निर्माता बनें । उनके दृढ़ निश्चय एवं दूरदर्शिता के कारण ही भारत में रियासतों के विलय को मूर्त रुप दिया जा सका । भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण समय पर सरदार पटेल की भूमिका एवं योगदान को स्मरण करने तथा सरदार पटेल की जयंती के रुप में उनकी बहुमूल्य विरासत को सहेजने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को सम्पूर्ण भारत वर्ष में ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के रूप में मनाया जाता है । राष्ट्रीय एकता शपथ के दौरान महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने कहा कि देश की एकता व अखंडता बनाए रखने में सरदार पटेल का महत्वपूर्ण योगदान है । अपनी देशभक्ति की भावना, मजबूत इरादे और प्रतिबद्धता के बल पर सरदार पटेल ने देश का एकीकरण किया । राष्ट्रीय एकता की दिशा में सरदार पटेल का यह महत्वपूर्णकार्य हम सभी के लिए प्रेरणादायी है । जन-जन के मन में एकता के अटूट बंधन की भावना को बनाए रखने के लिए भारतीय रेल सतत प्रयासरत राष्ट्रीय एकता का एक अनूठा उदाहरण है ।

लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर रन फार यूनिटी का भव्य आयोजन....

■ जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बच्चों ने दौड़ कर दिया ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' का संदेश

राष्ट्रीय एकता की दिलाई गई शपथ

बिलासपुर। 31 अक्टूबर 2025 को देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के अंतर्गत रन फॉर यूनिटी (एकता दौड़) कार्यक्रम का भव्य आयोजन जिला प्रशासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारी, कर्मचारी और बच्चों में एक साथ नेहरू चौक से रिवर व्यू तिरंगा झंडा व्यू प्वाईंट तक एकता दौड़ में शामिल होकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत का संदेश दिया। रन फॉर यूनिटी दौड़ को बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, महौपार श्रीमती पूजा विधानी, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती हर्षिता पांडे, पूर्व विधायक चंद्रप्रकाश वाजपेयी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार पांडे, खेल अधिकारी श्री एक्का, दीपक सिंह सहित बड़ी संख्या में स्कूल-कॉलेज, स्काउट गाइड्स के बच्चे मौजूद थे। इस अवसर पर विधायक धरमलाल कौशिक ने सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिए गए एक भारत, श्रेष्ठ भारत के

संकल्प को साकार करने का प्रण लेने का आव्हान किया और सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक एवं धर्मजीत सिंह ने सरदार वल्लभभाई पटेल जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने रियासतों को एक सूत्र में बांधकर भारत की एकता को सुदृढ़ किया। राष्ट्र को एकजुट करने का उनका प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता और सद्भावना के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। कार्यर्क्रम में राज्य एनएसएस प्रभारी मनोज सिन्हा, राज्य संगठन आयुक्त विजय कुमार यादव, जिला सचिव सुश्री लता यादव, जिला संगठन आयुक्त गाइड डॉ. पूनम सिंह, जिला प्रशिक्षण आयुक्त संतोष त्रिपाठी, जिला संगठन आयुक्त स्काउट महेन्द्र बाबू टंडन एवं बड़ी संख्या में स्काउट्स गाइड्स मौजूद रहे।

अकलतरा स्टेशन में कोयले की खुली नीलामी बिक्री 07 नवम्बर 2025 को

बिलासपुर। तत्सबंधित सूचना के अंतर्गत अकलतरा स्टेशन में पड़े लगभग 520 टन कोयले की नीलामी अकलतरा रेलवे स्टेशन के मुख्य स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में दिनांक 07 नवम्बर 2025 दिन शुक्रवार को दोपहर 12 बजे करना सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया है 7 इच्छुक पार्टी/पार्टियों को खुली बोली नीलामी हेतु निर्धारित समय व दिनांक तथा स्थान पर उपस्थित होकर प्रक्रिया में भाग लेना होगा।

आपको भी है भूलने की बीमारी

इन आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों का करें सेवन

इन दिनों लोगों में भूलने की बीमारी बहुत ही तेजी से बढ़ रही है। लोग अक्सर कुछ बातों को और चीजों को रखकर अक्सर भूल जाते हैं। इसके अलावा लोग एकाग्रता से काम भी नहीं कर पाते हैं। कुछ अध्ययन के अनुसार ऐसा होने का एक कारण खराब जीवनशैली भी है। बढ़ती उम्र में भूलने की समस्या आम है, लेकिन युवाओं में ये समस्या देखी जा रही है। आज की दौड़ती भागती जिंदगी में मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जरूरी है वरना आप कहीं पीछे छूट जाते हैं। याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक हर्ब्स का सेवन भी कर सकते हैं। आइए जानें कौन सी हैं ये आयुर्वेदिक जड़ी बूटियां...

ब्राह्मी: ब्राह्मी एक प्राचीन जड़ी बूटी है। ये औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इसका आयुर्वेद में हजारों सालों से इस्तेमाल किया जा रहा है। ये मस्तिष्क के कार्य में सुधार करती है। ये जड़ी बूटी तनाव और चिंता से राहत दिलाने का काम करती है। ये मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करती है। ब्राह्मी खाने से याददाश्त और एकाग्रता बढ़ सकती है। इसका सेवन करने से याददाश्त से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद मिलती है। आप ब्राह्मी पाउडर को दूध या पानी के साथ मिलाकर सेवन कर सकते हैं

शंखपुष्पी : शंखपुष्पी आयुर्वेदिक चिकित्सा में एक बहुत ही शक्तिशाली जड़ी बूटी मानी जाती है। इसका सेवन सालों से दवा के रूप में किया जा रहा है। इसका इस्तेमाल मन को शांत करने और याददाश्त को बढ़ाने के लिए किया जाता है। ये तनाव और चिंता को दूर करने का काम करती है। इसके लिए आप इस हर्बल पाउडर को एक चम्मच गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

अश्वगंधा : अश्वगंधा मानसिक और शारीरिक तनाव को दूर करने का काम करता है। ये मस्तिष्क में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करता है। ये सेहत के लिए बहुत ही अच्छा होता है। ये न केवल याददाश्त बढ़ाने का काम करता है बल्कि ये मस्तिष्क की बीमारियों के खतरे को कम करने का भी काम करता है। आप इसे दूध, पानी, शहद, घी के साथ मिलाकर ले सकते हैं।

तुलसी : तुलसी सबसे अच्छी जड़ी-बूटियों में से एक मानी जाती है। आयुर्वेद में तुलसी को इसके स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। ये सेहत के लिए बहुत अच्छा होती है। इसमें एंटीबायोटिक, एंटी-वायरल, एंटीबैक्टीरियल, एंटी-कार्सिनोजेनिक गुण होते हैं। ये कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने का काम करती है। ये याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने का काम करती है। इसके लिए आप 5 से 10 तुलसी के पत्ते, 5 बादाम और 5 काली मिर्च शहद के साथ खा सकते हैं। यह मेमोरी पावर बढ़ाने में मदद करती है।

मेडिटेशन : नियमित रूप से मेडिटेशन भी आपको मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का काम करती है। आपके मन को शांत करती है। मेडिटेशन से तनाव कम होता है।

देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की पूजा

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का खास महत्व है। हर महीने के कृष्ण व शुक्ल पक्ष की एकादशी को व्रत किया जाता है, इस तरह से साल में कुल 24 एकादशी व्रत पड़ते हैं। एकादशी व्रत में भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। हर एकादशी व्रत का अलग-अलग महत्व होता है, जिसमें से एक देवउठनी एकादशी भी है। देवउठनी एकादशी के दिन चातुर्मास समाप्त होता है और भगवान विष्णु योग निद्रा से जागते हैं और फिर से सृष्टि का संचालन करते हैं। इसलिए इसे देवोत्थान एकादशी या देव प्रबोधिनी एकादशी कहा जाता है। जानें देवउठनी एकादशी कब है, पूजन व व्रत पारण का शुभ मुहूर्त।

देवउठनी एकादशी कब है 2025 : हिंदू पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि 01 नवंबर को सुबह 09 बजकर 11 मिनट पर प्रारंभ होगी और एकादशी तिथि का समापन 02 नवंबर को सुबह 07 बजकर 31 मिनट पर होगा। उदया तिथि में देवउठनी एकादशी व्रत 1 नवंबर को रखा जाएगा।

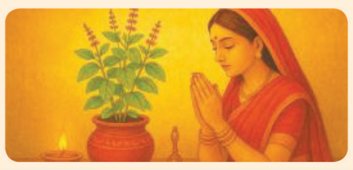

देवउठनी एकादशी पूजन मुहूर्त 2025 :

ब्रह्म मुहूर्त- 04 :50 ए एम से 05 :41 ए एम
अभिजित मुहूर्त- 11 :42 ए एम से 12 :27 पी एम
विजय मुहूर्त- 01 :55 पी एम से 02 :39 पी एम
गोधूलि मुहूर्त- 05 :36 पी एम से 06 :02 पी एम
अमृत काल- 11 :17 ए एम से 12 :51 पी एम
रवि योग- 06 :33 ए एम से 06 :20 पी एम

देवउठनी एकादशी व्रत पारण मुहूर्त 2025 : देवउठनी एकादशी व्रत का पारण 2 नवंबर को किया जाएगा। व्रत पारण का शुभ मुहूर्त दोपहर 01 बजकर 11 मिनट से दोपहर 03 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। एकादशी व्रत का पारण अगले दिन सूर्योदय के बाद भी किया जा सकता है। 2 नवंबर को सूर्योदय सुबह 06 बजकर 34 मिनट पर होगा। देवउठनी एकादशी व्रत करने से जीवन में सुख-समृद्धि व खुशहाली आती है। इसके साथ ही व्यक्ति के समस्त पापों का नाश होता है। कहते हैं कि एकादशी व्रत करने वाला मनुष्य सभी सुखों को भोगकर अंत में मोक्ष को पाता है।

त्वचा और बालों के लिए वरदान है लौकी का जूस

लौकी का जूस स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। लौकी का सेवन अधिकतर सब्जी और रायता आदि के रूप में किया जाता है। ये विटामिन सी, विटामिन बी और कई अन्य मिनरल से भरपूर होती है। ये खांसी, बेचैनी, बुखार, अस्थमा और कई अन्य बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मदद करती है। लौकी का जूस हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है। लौकी कूलिंग इफेक्ट के अलावा ब्लड प्रेशर लेवल को भी कंट्रोल करने में मदद करती है। ये सफेद बालों और झुर्रियों की समस्या से भी छुटकारा दिलाने में मदद करती है। ये त्वचा और बालों संबंधित कई अन्य समस्याओं से भी छुटकारा दिलाने में मदद करती है। लौकी के जूस का सेवन शरीर से टॉक्सिन बाहर निकालने का काम करता है। लौकी का सेवन ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल करने में मदद करता है। ये छालों से राहत दिलाती है। लौकी का सेवन बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। ये पेट दर्द और बुखार से भी निजात दिलाने का काम करती है। इसके साथ ही आप वजन कम करने वाली डाइट में भी इसे शामिल कर सकते हैं। लौकी के जूस का वजन घटाने के साथ पाचन तंत्र को स्वस्थ रखती है। एसिटिडी होने से रोकने का काम करती है।

लौकी का जूस बनाने की सामग्री

2 छिली हुई, बीज निकली और कटी हुई लौकी
एक बड़ा चम्मच जीरा
15-20 पुदीने के पत्ते
दो से तीन बड़े चम्मच नींबू का रस

लौकी का जूस बनाने की विधि

स्टेप -1

एक ब्लेंडर लें। इसमें लौकी, अदरक, पुदीने के पत्ते, नमक और जीरा डालें।

स्टेप – 2

इसमें एक कप पानी डालें और इसे लगभग 3-4 मिनट तक ब्लेंड करें।

स्टेप – 3

फिर इसमें नींबू का रस और नमक डालें। इसे अच्छे से मिलाएं और इसका सेवन करें। डॉ. भावसार ने नियमित रूप से सुबह इस जूस को पीने का सुझाव दिया। क्योंकि अभी सर्दी का मौसम है इसलिए डॉ. भावसार ने लौकी का जूस बनाने से पहले इसे उबालने की सलाह दी है। इससे ये आपको सर्दी या खांसी से बचाने में मदद करेगा।

अलसी के बीज से करें हाई यूरिक एसिड को कंट्रोल

शरीर में यूरिक एसिड का बढ़ जाना कई बीमारियों को जन्म देता है। यूरिक एसिड बढ़ जाने से आपके जोड़ों और हड्डियों में दर्द बढ़ने लगता है। इसी के चलते कुछ लोगों को शरीर के कई अंगों में सूजन की शिकायत भी होने लगती है। यूरिक एसिड बढ़ने से हाथों-पैरों की उंगलियों में दर्द होता है। बता दें कि यूरिक एसिड को दवाइयों के अलावा कुछ बीजों का सेवन करके भी कंट्रोल किया जा सकता है। जी हां, यूरिक एसिड को कंट्रोल करने वाले इन बीजों में अलसी का बीज शामिल है, क्योंकि अलसी के बीजों में ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं।

जानें कैसे करें सेवन?

अगर आपके शरीर में यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आप अलसी के बीजों का सेवन शुरू करें। इसका पाउडर बनाएं और गुनगुने पानी में एक चम्मच अलसी के बीजों के पाउडर को मिलाकर पिएं। इससे यूरिक एसिड की समस्या जल्दी ठीक होगी। यूरिक एसिड और हमारी डाइट के बीच काफी गहरा संबंध होता है इसलिए खानपान का ज्यादा ध्यान रखना जरूरी है। हेल्दी चीजों का सेवन करें साथ ही सलाद और सब्जी में अलसी के बीज मिला कर खाएं। इससे यूरिक एसिड जल्दी काबू में आ जाएगा।

बेहद फायदेमंद होते हैं अलसी के बीज

एनसीबीआई (NCBI) में पब्लिश्ड रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार अलसी के बीज के सेवन से बढ़े हुए यूरिक एसिड को कम किया जा सकता है। अलसी के बीज आपकी सेहत के लिए तो फायदेमंद है ही लेकिन शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ जाने पर अलसी के बीजो का सेवन आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। अलसी के बीजों को रात को थोड़े पानी में भीगो लें और सुबह खाली पेट इसका सेवन करें इससे आपका डाइजेशन तो अच्छा होगा ही साथ ही यूरिक एसिड भी कंट्रोल में आ जाएगा।

सर्दियों में खाएं ये फल विटामिन सी मिलेगा भरपूर

सर्दियों का मौसम भले ही बहुत सुहावना होता है। लेकिन ये मौसम में अपने साथ कई कई वायरल बीमारियां और संक्रमण ले कर आता है। ऐसे में इम्यून सिस्टम को मजबूत रखना बहुत ही जरूरी है। आप मौसमी फलों के द्वारा वायरल बीमारियों के खतरे को रोकने का काम सकते हैं। आप रोजाना भरपूर फलों का सेवन कर सकते हैं। ये सर्दियों के मौसम में आपकी इम्युनिटी को बढ़ाने का काम करेंगे। आइए जानें आप कौन से फलों को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

संतरे : संतरे विटामिन सी और कैल्शिम से भरपूर होते हैं। इनका रोजाना सेवन इम्युनिटी को बढ़ाने का काम करता है। ये आपकी त्वचा को हेल्दी रखते हैं। ये वजन घटाने में भी मदद करते हैं। कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं। ये आपको कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

अमरूद : अमरूद में विटामिन सी होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं।ये आपको फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाने का काम करते हैं। ये पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। अमरूद में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है। इससे ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

क्रैनबेरी : क्रैनबेरी में विटामिन सी होता है। ये कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है। आप क्रैनबेरी का सेवन सलाद के रूप में भी कर सकते हैं।

अनार : अनार का सेवन आप जूस के रूप में भी कर सकते हैं। ये गठिया से पीड़ित लोगों के लिए बहुत ही फायदेमंद है। ये हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। अनार में फाइबर और विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है। ये शरीर को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाने का काम करता है। ये शरीर को कई अन्य बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

शरीफा : शरीफा को कस्टर्ड सेब के रूप में भी जाना जाता है। विटामिन सी से भरपूर होता है। शरीफा कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर होता है। इसमें विटामिन बी6 होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। ये शरीर को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाने का काम करते हैं।

डार्क चॉकलेट कॉफी से करें मूड को रिफ्रेश

बनाने के लिए सामग्री

दूध – 2 कप
डार्क चॉकलेट – 2 टुकड़े
कॉफी पाउडर – 1 टी स्पून
इलायची पाउडर – 1/2 टी स्पून
चीनी पाउडर – 4 टी स्पून
आइस क्यूब्स – 4-5

डार्क चॉकलेट कॉफी बनाने की विधि

डार्क चॉकलेट कॉफी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में दूध डालकर उसे मीडियम आंच पर गर्म करने के लिए रख दें। ध्यान रखें की दूध को हल्का गर्म ही करना है। दूध गर्म होने के बाद गैस बंद कर दें और एक बर्तन में दूध डालकर उसमें कॉफी पाउडर मिलाएं और अच्छी तरह से मिक्स करें। दूध को चम्मच की मदद से कम से कम पांच मिनट तक मिक्स करें।

अब इस दूध को मिक्सर जार में डालें और उसमें डार्क चॉकलेट को क्रश करके डाल दें। अब इसमें पिसी इलायची पाउडर और चीनी पाउडर भी मिलाएं। इसके बाद मिक्सर जार का ढक्कन लगाकर उसे एक बार ग्राइंड करें। इसके बाद ढक्कन खोलकर उसमें तीन-चार आइस क्यूब्स डालें और एक बार और मिक्सी चला दें। इसके बाद सर्विंग गिलास में डार्क चॉकलेट कॉफी डाल दें और ऊपर से 2-3 आइस क्यूब्स और क्रश चॉकलेट डालकर सर्व करें।

सुबह उठते ही लगातार आती हैं कई छीकें

हो सकती है एलर्जिक राइनाइटिस की बीमारी

आजकल प्रदूषण और मौसम बदलने के चलते सुबह उठते ही लगातार छीकें आनी शुरू हो जाती है। लेकिन इसकी एक और भी वजह हो सकती है जिसे एलर्जिक राइनाइटिस कहते हैं जिसे हे फीवर के नाम से भी जाना जाता है। ये एक एलर्जिक स्थिति है जिसमें छींकें, नाक बंद होना, नाक में खुजली और आंखों से पानी आने लगता है। एलर्जिक राइनाइटिस किसी को भी हो सकती है और इसके होने के पीछे भी कई वजहें हैं। अगर इसके लक्षण बढ़ जाएं तो मरीज को काफी परेशानी भी हो सकती है। एलर्जिक राइनाइटिस की समस्या खासकर सुबह उठते ही देखने को मिलती है जिसके बाद एक के बाद एक छींकें आनी शुरू हो जाती है। ये नाम में पराग, धूल मिट्टी के कण जाने से भी हो सकती है। इसमें हवा में मौजूद काफी छोटे कणों से भी एलर्जी हो जाती है। ये छोटे कण जब नाक और मुंह से अंदर जाते हैं तो छींके आना शुरू हो जाती है।

एलर्जिक राइनाइटिस के लक्षण

एलर्जिक राइनाइटिस के लक्षणों में सबसे पहले लगातार छींके आना, नाक बंद होना, नाक, गले, मुंह और आंख में जलन होना, नाक बहना, नाक, गले औक आंखों में खुलजी होना, आंखें लाल या पानी से भरी होना, सिरदर्द, साइनस और आंखों के नीचे काले घेरे होना, नाक और गले में बलगम बनना, अत्याधिक थकान होना, गले में खराश होना, घरघराहट भरी खांसी और सांस लेने में परेशानी होना शामिल है।

एलर्जिक राइनाइटिस होने की वजहें

कई इनडोर और कई आउटडोर एलर्जी के कारण एलर्जिक राइनाइटिस हो जाती है। इसको ट्रिगर करने में पेड़, पौधों, खरपतवार से निकलने वाले पराग के कण, पालतु पशुओं की रूसी, मोल्ड बीजाणु, धूल के छोटे कण शामिल हैं। इसके अलावा अलग-अलग मरीज को अलग-अलग चीजें ट्रिगर कर सकती हैं। एलर्जिक राइनाइटिस खासकर बदलते मौसम, बढ़ते प्रदूषण, वसंत और शुरुआती परझड़ के समय ज्यादा होती है क्योंकि इस समय हवा में पराग के कण बढ़ जाते हैं। कई बार ये पालतू पशुओं के बालों और रूसी की वजह से भी हो सकती है।

एलर्जिक राइनाइटिस से बचाव

चेहरे को बार-बार छून से बचें। आंखों और नाक को ज्यादा न रगड़ें। जब प्रदूषण बढ़ जाए या हवा में ज्यादा पराग कण हो तो घर में ज्यादा रहने की कोशिश करें और घर के दरवाजें और खिड़कियां बंद रखें। धूल से बचाव के लिए तकिए, गद्दों और बिस्तर को साफ रखें और कवर चढ़ाकर ही रखें। पालतू जानवरों से भी दूरी बनाएं। उन्हे अपने बिस्तर में न आने दें। घर में एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। घर में धूप, अगरबत्ती जलाने से बचें।

महिलाओं को क्यों नहीं फोड़ने चाहिए नारियल

हर शुभ कार्य में नारियल बहुत खास महत्व रखता है। शास्त्रों में महिलाओं के लिए कुछ कार्य करने की मनाही है इन्हीं में से एक है नारियल फोड़ना, जो स्त्री के लिए वर्जित है। जानते हैं क्यों नारियल को बहुत ही पवित्र माना जाता है। नारियल में भगवान ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश तीनों ही त्रिदेवों का वास माना जाता है। नारियल में तीन आंखों शिव के त्रिनेत्र का रूप मानी गई हैं। शास्त्रों में नारियल फोड़ना एक तरह की बलि का प्रतीक माना गया है। महिलाओं के इसे ना फोड़ने के पीछे मान्यता है कि नारियल एक बीज है और महिला एक बीच के रूप में बच्चे को जन्म देती है। कहते हैं कोई महिला नारियल फोड़ती है तो इसका नकारात्मक असर गर्भाशय पर पड़ता है। धरती पर फल के रूप में भगवान विष्णु ने लक्ष्मी जी के साथ नारियल को भी भेजा था। इस पर सिर्फ मां लक्ष्मी का अधिकार है। इसलिए महिलाओं का नारियल फोड़ना वर्जित है। हर शुभ काम में नारियल फोड़ने के पीछे मान्यता है कि इसके फूटने पर पानी चारों ओर बिखरता है जो सारी नकारात्मकता को दूर करता है। इसका पानी बहुत पवित्र माना गया है।

सभी नारियल की तुलना में एकाक्षी नारियल का विशेष महत्व है इसे माता लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है।

छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने ली विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समीक्षा बैठक

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की महत्वपूर्ण तिथियां जारी, 04 नवम्बर 2025 से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रारंभ

दुर्ग। छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के सभी कलेक्टरों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, नगर निगम आयुक्तों तथा सहायक प्रोग्रामरों की बैठक लेकर निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कुमार ने एसआईआर की प्रक्रिया, उसके विभिन्न चरणों तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिकाओं की जानकारी देते हुए निर्देश दिए कि सभी बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं के नाम, पते एवं विवरण का सत्यापन करें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) नियुक्त होता है, जो मतदाता सूची तैयार करने की जिम्मेदारी निभाता है। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत प्रमुख चरणों में बीएलओ, ईआरओ और डीईओ का प्रशिक्षण, राजनीतिक दलों की भागीदारी, घर-घर सत्यापन, मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे-आपत्तियां प्राप्त करना तथा अंतिम प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन शामिल है। छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ को वर्ष 2025 की मतदाता सूची की तुलना वर्ष 2003 की एसआईआर सूची से करने के निर्देश दिए, ताकि त्रुटियां न हो। उन्होंने कहा कि बीएलओ नए मतदाताओं के फॉर्म 6 एवं घोषणा पत्र एकत्र करें और मृत या स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं की पहचान करें। कुमार ने बताया कि गणना चरण के दौरान गणना फॉर्म के साथ किसी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। ईआरओ/एईआरओ को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से न छूटे और कोई भी अपात्र व्यक्ति उसमें शामिल न हो। सीईओ यशवंत कुमार ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित महत्वपूर्ण तिथियों की जानकारी दी- मुद्रण/प्रशिक्षण कार्य 28 अक्टूबर 2025 से 03 नवम्बर 2025 तक, घर घर गणना चरण अवधि (घर-घर जाकर सत्यापन) कार्य 04 नवम्बर 2025 से 04 दिसम्बर 2025 तक, मतदान केन्द्रों का युक्तिकरण/पुनर्व्यवस्थापन 4 दिसम्बर 2025 तक, नियंत्रण तालिका का अद्यतन और ड्राफ्ट रोल की तैयारी 5 दिसम्बर 2025 से 8 दिसम्बर 2025 तक, मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 09 दिसम्बर 2025, दावे और आपत्ति की अवधि 09 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक, नोटिस चरण (सुनवाई और सत्यापन) 09 दिसम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026, मतदाता सूची के स्वास्थ्य मापदंडों की जांच करना तथा अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति प्राप्त करना 3 फरवरी 2026 और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। सीईओ कुमार ने अधिकारियों से कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध रूप से पूरी की जाए ताकि आगामी निर्वाचन में सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह, अपर कलेक्टर मती योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर सिल्ली थॉमस, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, एसडीएम महेश राजपुत एवं लवकेश ध्रुव सहित सहायक प्रोग्रामर उपस्थित थे।

बिना हेलमेट पेट्रोल वितरण पर कार्यवाही, दो पेट्रोल पंपों की सप्लाई स्थगित

दुर्ग। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार 'नो हेलमेट, नो पेट्रोल' अभियान के तहत आज खाद्य विभाग की जांच टीम द्वारा रिसाली क्षेत्र स्थित महामाया फ्यूल्स तथा रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड, पुलगांव नाका पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों पंपों पर बिना हेलमेट लगाए दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल प्रदान किया जा रहा था। इस पर जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दोनों पंपों में आगामी आदेश तक पेट्रोल वितरण स्थगित कर दिया गया है। ज्ञातव्य है कि जिला कलेक्टर द्वारा पहले ही सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश जारी किए गए थे कि बिना हेलमेट किसी भी दोपहिया वाहन चालक को पेट्रोल न दिया जाए। स्वयं की सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन हेतु हेलमेट पहनकर ही पेट्रोल भरवाएं।

विकास कार्य हेतु 14.98 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए जनपद पंचायत दुर्ग तथा नगर पंचायत पाटन में विकास कार्यों के लिए 14.98 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। सांसद विजय बघेल द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रमशः क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दुर्ग जिला दुर्ग तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत पाटन जिला दुर्ग द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत चंदखुरी केनाल पारा दुर्ग कॉमन वर्क शेड, कव्हर्ड सिटिंग एरिया तथा डोम शेड निर्माण हेतु 7 लाख रूपए एवं नगर पंचायत पाटन अंतर्गत इंदिरा नगर वार्ड 02 बठेना रोड के पास सामुदायिक केन्द्र, कम्युनिटी हॉल भवन निर्माण में 07 लाख 98 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

कांग्रेस ने पूर्व चेयरमैन राजेश गुप्ता को हरनोथ विस चुनाव के लिए आब्जर्वर बनाया

राजनांदगांव। अखिल भारतीय कांग्रेस राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग द्वारा राजनांदगांव पूर्व चेयरमैन राजेश गुप्ता चंपू को एआईसीसी एसटी विभाग प्रमुख ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए हरनोथ विधानसभा चुनाव क्षेत्र 177 के लिए आब्जर्वर नियुक्त किया है। इसका आदेश भी जारी कर दिया गया है।पर्वेक्षक बनने के बाद अपने प्रभार क्षेत्र हरनोथ बिहार रवाना होने के पूर्व रायपुर राजीव भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज से सौजन्य भेंटकर,उन्हें दीपावली पर्व व छठ पर्व की बधाई दी। इस दौरान दोनों नेताओं ने एक -दूसरे को कांग्रेस पार्टी का गमछा पहनाकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। संस्कारधानी जिले के विषय में भी गहन राजनैतिक चर्चा हुई।प्रदेश अध्यक्ष बैज ने बिहार विधानसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद फिर से एक बार मुलाकात करने के निर्देश राजेश गुप्ता को दिए।राजेश गुप्ता भी बिहार चुनाव में एआईसीसी एसटी प्रकोष्ठ के तरफ से अपनी महत्वपूर्ण दायित्व निभाने के लिए बिहार जा रहें हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में हरनोथ विधानसभा चुनाव आब्जर्वर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने के पर राजेश गुप्ता चंपू ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। भरोसा दिलाया है कि वे कांग्रेस पार्टी को निराश नहीं करेंगे वे एसटी विभाग के प्रमुख राजेन्द्र पाल गौतम के अगुवाई में कांग्रेस पार्टी अभ्यर्थी के पक्ष में तन - मन लगाकर उन्हें विजयी बनाने के लिए जी जान लगा देंगे।

राज्योत्सव में प्रदर्शित होंगी जिले की उपलब्धियां, विभागों को सौंपे गए दायित्व

राज्योत्सव व धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा, समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

गरियाबंद। कलेक्टर बी.एस उइके की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। इस अवसर पर डीएफओ शशिगानंदन के, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चन्द्राकर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में आगामी राज्योत्सव, धान खरीदी, विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए कलेक्टर उईके ने अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने राज्योत्सव की तैयारी की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ स्थापना के 25 वर्ष की उपलब्धियों को दर्शाते हुए विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे। कलेक्टर ने कृषि, उद्यानिकी, पशु चिकित्सा, मत्स्य, उद्योग, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, वन, खाद्य, श्रम, परिवहन, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों को शासन के विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं एवं सफल परियोजनाओं का प्रदर्शन करने एवं विगत वर्षों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा, मंच व्यवस्था एवं सामग्री वितरण सूची शीघ्र तैयार की जाए ताकि आयोजन उत्कृष्ट और अनुकरणीय हो। कलेक्टर ने कहा कि 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होगी। इसके लिए चेक पोस्ट बनाए जाए, ताकि अवैध परिवहन और आवक पर नियंत्रण रखा जा सके। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे चालू स्थिति में रहें, टीमें नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें और धान खरीदी नीति के 29 बिंदुओं की चेक लिस्ट अनुसार तैयारी सुनिश्चित करें। अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तत्काल प्रारंभ किया जाए एवं आवश्यक निगरानी की जाए। जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगी है उन्हें तैनात किए जाए। उन्होंने एग्रीस्टेक पोर्टल पर शेष किसानों के पंजीयन को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। ज्ञात है कि 31 अक्टूबर पंजीयन की अंतिम तिथि है, गिरदावरी सत्यापन के लिए जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगी है, उन्हें आगामी दो दिवस में आबंटित सभी खसरों का सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि जिले में शेष आवासों को पूर्ण करने तथा लंबित स्वीकृतियां शीघ्र जारी करने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारी को कहा कि अधिक से अधिक हितग्राहियों को पीएम सूर्यघर योजना का लाभ दिलाने के लिए प्रेरित करने कहा। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों के आपार आईडी बनाए जाए ताकि किसी भी छात्र को शैक्षणिक योजनाओं के लाभ से वंचित न रहना पड़े। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत सभी ईआरओ को निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एवं जारी समय सारणी के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में भी पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारंभ होगा। इसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य पात्र मतदाता छूट न पाएं और अपात्र मतदाता शामिल न हों। जारी कार्यक्रम के तहत 3 नवम्बर तक प्रशिक्षण कार्यक्रम, 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक घर-घर सत्यापन, 9 दिसम्बर को मतदाता सूची का प्रकाशन, 8 जनवरी 2026 तक दावा-आपत्ति दर्ज किया जाएगा। 31 जनवरी तक सुनवाई और सत्यापन तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

दुर्ग गंज मंडी में तीन दिवसीय राज्योत्सव महोत्सव 2 से 4 नवंबर तक, फूड सहित कई स्टॉल रहेंगे आकर्षण का केंद्र

दुर्ग। जिला प्रशासन, दुर्ग के तत्वावधान में पुराना गंज मंडी परिसर में इस वर्ष भव्य राज्योत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय उत्सव 2 से 4 नवंबर तक चलेगा, जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, कला, हस्तशिल्प, व्यंजन और स्थानीय उत्पादों का शानदार प्रदर्शन किया जाएगा। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम बनेगा, बल्कि स्थानीय कलाकारों, उद्यमियों और कारीगरों के लिए रोज़गार व पहचान का उत्कृष्ट अवसर भी प्रदान करेगा। आयोजन समिति द्वारा फूड स्टॉल हेतु 10 स्थान निर्धारित किए गए हैं। इच्छुक व्यक्ति पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक स्टॉल का किराया 1000 प्रतिदिन रखा गया है। सीमित संख्या होने के कारण प्रतिभागियों से समय पर आवेदन करने का आग्रह किया गया है। राज्योत्सव के दौरान पारंपरिक लोकनृत्य, लोकगीत, शिल्पकला प्रदर्शन, हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी और स्थानीय व्यंजनों का स्वाद उपस्थित लोगों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराएगा। फूड लवर्स के लिए अलग से फूड कोर्ट बनाया जा रहा है, जहाँ छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के साथ अन्य पारंपरिक पकवानों का आनंद लिया जा सकेगा। यहां स्थानीय स्वाद के साथ आधुनिक व्यंजन भी उपलब्ध रहेंगे।

जिला प्रशासन द्वारा स्थल की सजावट, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, मंच और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी जोरों पर है। आयोजन स्थल को पूरी तरह आकर्षक रूप देने के लिए निगम और प्रशासनिक अमले की टीमें लगातार कार्यरत हैं।

जिला प्रशासन व निगम प्रशासन ने शहरवासियों, व्यापारियों, कलाकारों

भुईया पोर्टल में छेड़छाड़ कर 36 लाख रुपये का लोन, दो और आरोपी गिरफ्तार

- एसीसीयू एवं थाना नंदनी नगर की संयुक्त कार्रवाई, पटवारी के यूज़र आईडी का किया गया दुरुपयोग

दुर्ग। थाना नंदनी नगर क्षेत्र के मुरमुंदा ग्राम में भुईया पोर्टल में छेड़छाड़ कर धोखाधड़ी करने के मामले में दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। आरोपियों ने पटवारी के यूज़र आईडी और पासवर्ड का दुरुपयोग कर ऑनलाइन भूमि रिकॉर्ड में फर्जी हेराफेरी की और उसके आधार पर 36 लाख रुपये का बैंक लोन प्राप्त किया थाना नंदनी नगर में अपराध क्रमांक 201/2025 धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 3(5) बीएनएस एवं 66(ष्ट) आईटी एक्ट के तहत दर्ज मामले में जांच के दौरान पाया गया कि आरोपियों ने भुईया सॉफ्टवेयर को हैक कर फर्जी तरीके से भारतीय स्टेट बैंक, शाखा नंदनी नगर से ?36 लाख का आहरण किया। विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर दो आरोपियों –गणेश प्रसाद तम्बोली, पिता चंदू लाल तम्बोली, उम्र 51 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 09, सकरौली, थाना बारद्वार, जिला शक्ति (छ.ग.) अमित कुमार मौर्य, पिता उमाशंकर मौर्य, उम्र 37 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 10, पेट्रोल पंप के पास, बारद्वार, जिला शक्ति (छ.ग.) की संलिप्तता पाई गई। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उनके परिचित अशोक उरांव ने ग्राम मुरमुंदा, तहसील अहिवारा की जमीन का रकबा बढ़ाने के लिए पैसा देने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद दोनों ने मिलकर ग्राम मुरमुंदा के खसरा नंबर 1538/11 और 187/04 के भुईया रिकॉर्ड में हेराफेरी की। उन्होंने मुरमुंदा के पटवारी का यूज़र आईडी, पासवर्ड और ओटीपी का इस्तेमाल कर ऑनलाइन पोर्टल में फर्जी तरीके से रकबा बढ़ाया। भुईया पोर्टल में की गई इस छेड़छाड़ के आधार पर आरोपी दीनू राम यादव (रायपुर) और एस. राम बंजारे (अछोटी) सहित अन्य सहयोगियों ने भारतीय स्टेट बैंक, अहिवारा शाखा से ?36 लाख का लोन प्राप्त किया। इस प्रकरण में इससे पहले मुख्य आरोपी नंदकिशोर साहू को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इस पूरे प्रकरण का खुलासा थाना नंदनी नगर पुलिस और एसीसीयू (साइबर सेल) की संयुक्त कार्रवाई से संभव हुआ। तकनीकी विश्लेषण और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की साइबर फर्जीवाड़ों पर निगरानी के लिए टीम लगातार सक्रिय है।

अवैध एवं अस्थायी फल ठेला संचालको पर निगम ने की बेदखली कार्यवाही

भिलाई । नगर पालिक निगम भिलाई जोन 03 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत पावर हाउस चौंक के किनारे सर्विस रोड पर आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार बेदखली कार्यवाही की गई।निगम आयुक्त ने फल ठेला, अस्थायी दुकान संचालित करने एवं आवागमन बाधित करने वालो के खिलाफबेदखली कार्यवाही करने हेतु सभी जोन आयुक्तों को निर्देशित किये हैं। साथ ही यातायात एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम के साथ कार्यवाही करने कहा गया है। निर्देश के परिपालन में यातायात प्रभारी पी. डी. चंद्रा, सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, सहायक प्रभारी हरिओम गुप्ता एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा लगभग 46 अवैध फल ठेले एवं अस्थायी दुकानों पर बेदखली कार्यवाही की गई। सड़क बाधा शुक्ल के रूप में कुल 5500 रूपये अर्थदण्ड वसूला गया। साथ ही बांस, बल्ली एवं सामग्रीयों की जप्ती की गई है। यह कार्यवाही समझाइस के लिए है, आगामी समय में बेदखली के साथ बड़ी चालानी कार्यवाही की जावेगी। नगर निगम भिलाई की ओर से अपील है कि आवागमन एवं ट्रैफिक व्यवस्था को ध्यान देते हुए रोड किनारे दुकानों का संचालन न करें, अन्यथा दुर्घटना की संपूर्ण जवाबदेही अवैध दुकान संचालको की होगी। कार्यवाही के दौरान पुलिस विभाग के दल एवं निगम के तोड़फोड़ दस्ता टीम से गणित बघेल, कन्हैया यादव, गौकरण कुर्रे, खेमलाल आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने टीएल की मीटिंग में दिए निर्देश, जनसमस्या पर ध्यान देने कहा

पटवारियों की मनमानी पर लगेगी लगाम... एसडीएम और तहसीलदार लेंगे उपस्थिति

- पटवारियों को मुख्यालय में रहने कहा गया, कसेगा शिकंजा

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने सभी पटवारी को मुख्यालय में रहने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि आम जनता को परेशानी नहीं होना चाहिए। मुख्यालय में रहते हुए पटवारी जनसामान्य के कार्यों को करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने एसडीएम एवं तहसीलदार को उपस्थिति लेने के लिए कहा। कलेक्टर ने राज्योत्सव की तैयारी के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2, 3 एवं 4 नवम्बर 2025 को म्यूनिस्पिल स्कूल मैदान में राज्योत्सव के आयोजन के लिए सभी विभाग अपनी पूरी तैयारी रखें।

उन्होंने सभी विभागीय स्टॉल के संबंध में जानकारी ली। मंच, पेयजल, साज-सज्जा, साफ -सफाई, प्रकाश, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने खाद्य, कृषि एवं सहकारिता विभाग को आपसी समन्वय करते हुए किसानों को कृषक पंजीयन में आ रही दिक्कतों का समाधान करने के लिए कहा। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत अधिक से अधिक जनमानस को लाभान्वित करने के लिए सभी कार्य करें।

भू-अर्जन का का काम जारी रखे

कलेक्टर यादव ने कहा कि भू-अर्जन का कार्य जारी रहना चाहिए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग अंतर्गत प्रति सप्ताह एक प्रकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिठाई एवं खाद्य पदार्थों की दुकानों में सतत निरीक्षण एवं कार्रवाई होना चाहिए। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों के सुपोषण को ध्यान में रखते हुए, पोषण पुर्नवास केन्द्र के माध्यम से बच्चों को सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिए कार्य करने कहा। कलेक्टर ने सहकारिता अंतर्गत प्रत्येक गांव को समितियों से जोडने् के लिए कहा। इस दौरान उन्होंने अपार आईडी बनाने के कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 1 लाख 83 हजार 270 में से 1 लाख 47 हजार 97 का अपार आईडी बन चुका है। जिसमें शेष 36 हजार 73 बच्चों का आधार अपडेट करना है।

चरोदा में युवक पर हमला, 10 हजार की रंगदारी मांगने का आरोप, पुरानी भिलाई थाने में एफआईआर दर्ज

भिलाई -3/चरोदा/ रायपुर दुकान के काम से जा रहे युवक अक्षय पुरी गोस्वामी के सड़क हादसे के बाद एक नया विवाद खड़ा हो गया है। गाय से टकराने के बाद घायल युवक से कुछ लोगों ने कथित तौर पर 10 हजार रुपये की मांग की और बाद में उसी मुद्दे को लेकर उसके दोस्त वेदांत मिश्रा पर हमला कर दिया गया। पुलिस ने मामले में गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। हादसे से शुरू हुआ विवाद-वेदांत मिश्रा ने बताया कि 28 अक्टूबर की दोपहर उसका दोस्त अक्षय पुरी गोस्वामी चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर से पदमुनगर स्थित अपनी दुकान से रायपुर जा रहा था। रास्ते में चरोदा गुरुद्वारा के सामने अचानक एक गाय सड़क पर आ गई, जिससे स्कूटर टकराकर अक्षय गिर गया। गिरने से उसके हाथ, पैर और सिर में चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर पहुंचे युवा शक्ति संगठन के अंशु यादव और उनके साथी अक्षय से गाय के इलाज के लिए 10 हजार रुपये की मांग करने लगे।

वेदांत ने बताया कि उस समय तक गाय मौके से जा चुकी थी। सूचना मिलते ही वेदांत मौके पर पहुंचा और अक्षय को तुरंत अस्पताल ले जाने को कहा, लेकिन आरोपियों ने कहा कि जब तक 10 हजार रुपये नहीं मिलेंगे, वे घायल को कहीं नहीं जाने देंगे। वेदांत ने बहस के बाद किसी तरह अक्षय को अस्पताल पहुंचाया। शाम को हुआ हमला-वेदांत मिश्रा के अनुसार, इसी घटना की रंजिश के कारण शाम करीब 7:30 बजे उसे अज्ञात नंबर से कॉल आया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com